शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 61 | गुवाहाटी | शनिवार, 28 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत में सभी मौसम के लिए पर्यटन उपलब्ध है : उपराष्ट्रपति पेज 2
अभाविप के मानस प्रतिम कलिता ने अध्यक्ष पद पर दर्ज की जीत पेज 3
हरियाणा के सभी अग्निवीरों को देंगे पेंशन वाली पक्की सरकारी नौकरी : अमित शाह पेज 5
कानपुर टेस्ट पहला दिन : बारिश ने डाली खलल, केवल 35 ओवर का हो सका खेल पेज 7

जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम की तर्ज पर बनेगा रेस्ट कैम्प कालीबाड़ी का पूजा पंडाल

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी के पांडू-मालीगांव क्षेत्र की सबसे बड़ी और प्रसिद्ध दुर्गापूजा, रेस्ट कैंप कालीबाड़ी की पूजा इस वर्ष 76वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। हर साल की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालु और दर्शक इस विशेष आयोजन को देखने दूर-दूर से आएंगे। स्थानीय लोगों के लिए यह दुर्गापूजा महज धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक है, जिसमें भक्ति, आनंद और सामुदायिक एकता का मेल देखने को मिलता है। इस वर्ष की दुर्गापूजा की थीम के रूप में जयपुर के प्रसिद्ध बिड़ला ऑडिटोरियम को चुना गया है। इस थीम के सौंदर्य और कला की बारीकियों को जीवंत करने के लिए पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध मूर्तिकार भास्कर हलदार को पंडाल -शेष पृष्ठ दो पर

नवरात्रि और दुर्गा पूजा के लिए कामाख्या मंदिर तैयार

गुवाहाटी। असम की नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित ऐतिहासिक कामाख्या मंदिर अपने अनोखे तरीके से दुर्गा पूजा और नवरात्रि उत्सव मनाता है। इस साल, कामाख्या मंदिर में 15 दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव 26 सितंबर को शुरू हुआ और इसे इस तरह से मनाया जाता है कि मूर्ति पूजा से परहेज किया जाता है। पुजारियों द्वारा श्लोकों के जाप और अनुष्ठानों के बीच ऐतिहासिक मंदिर में पखवाड़े भर चलने वाली दुर्गा पूजा शुरू हुई। कामाख्या मंदिर में दुर्गा पूजा उत्सव चंद्रमा के घटने के नौवें दिन या *कृष्ण नवमी* से शुरू होता है और हिंदू महीने आश्विन के चंद्रमा के बढ़ने के नौवें दिन या *शुक्ल नवमी* तक जारी रहेगा। कामाख्या मंदिर के पुजारी हिमाद्री शर्मा ने बताया कि कृष्ण नवमी से कामाख्या मंदिर में पखवाड़े भर चलने वाली दुर्गा पूजा शुरू हो गई है और यह शुक्ल नवमी तक जारी रहेगी। शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : डर के माहौल में चल रही हैं दुर्गा पूजा की तैयारियां

ढाका (हि.स.)। दुर्गा उत्सव न मनाने की धमकियों, मंदिरों पर हमले और मूर्तियां तोड़े जाने से बांग्लादेश में डर का माहौल है। इस सबके बावजूद दुर्गा पूजा की तैयारियां चल रही हैं। देशभर के पूजा मंडपों में असुरनाशिनी मां दुर्गा के भरोसे ही मूर्तियां बनाने का काम चल रहा है। हालांकि, सरकार की ओर से बार-बार पर्याप्त सुरक्षा का आश्वासन दिया जा रहा है लेकिन इसके बावजूद लगातार हमले की घटनाएं हो रही हैं। इस साल की दुर्गा पूजा को लेकर हिंदू समुदाय के कई नेता भी लगातार प्रशासन से चर्चा कर रहे हैं। मैमनसिंह में गौरीपुर मध्य बाजार में गुरुवार की सुबह करीब चार बजे मूर्ति तोड़ने की घटना हुई है। इस घटना में संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गौरीपुर मध्यबाजार पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष पीयूष रॉय ने मीडिया को बताया कि मंदिर में मूर्ति बनाने का काम 20 दिनों से चल रहा था। केवल मूर्ति का रंग-रोगन करना बाकी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक आदर्श पत्नी वो है जो अपने पति की सुबह मां की तरह सेवा करे और दिन में एक बहन की तरह प्यार करे और रात में एक वेश्या की तरह खुश करे।

- आचार्य चाणक्य

असम की पहचान की रक्षा के लिए धारा 6 का कार्यान्वयन जरूरी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि भाजपा सरकार राज्य के लोगों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा ने कहा कि प्रशासन असम की पहचान को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम असम के लोगों के हितों की रक्षा करने और असम को जनसांख्यिकीय परिवर्तन के आसन्न खतरे से सुरक्षित करने के लिए उपाय शुरू करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने राज्य की विशिष्ट पहचान को संरक्षित करने के लिए पहले से उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला और असम समझौते के खंड 6 पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों के आधार पर आगे की कार्रवाई की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करके अपने प्रशासन की पारदर्शिता का भी परिचय दिया। उन्होंने कहा कि जैसा कि वादा किया गया था, हमने समिति की रिपोर्ट को देश के सामने सार्वजनिक कर दिया है, ताकि लोग जमीनी हकीकत को समझ सकें। इससे पहले, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम समझौते के खंड 6 के संबंध में न्यायमूर्ति बिप्लब शर्मा समिति की 52 सिफारिशों को लागू करने की पहल की, जैसा कि असम सरकार ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी। यह केंद्र द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय समिति द्वारा फरवरी 2020 में अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के चार साल बाद हुआ है। उल्लेखनीय है कि समिति की 15 प्रमुख सिफारिशें इस समय लागू नहीं होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके लिए संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होगी। उन्होंने बुधवार को एक्स पर पोस्ट किया कि हम इन मामलों को केंद्र के समक्ष उचित मंच पर उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करके अपने प्रशासन की पारदर्शिता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जैसा कि वादा किया गया था, हमने समिति की रिपोर्ट को देश के सामने सार्वजनिक कर दिया है, ताकि जमीनी हकीकत को निष्पक्ष रूप से समझा जा सके। ऐतिहासिक असम समझौता राजीव गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और असम आंदोलन के नेतृत्व, मुख्य रूप से अखिल असम छात्र संघ (आसू) के बीच 1985 में हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन था। इस समझौते ने राज्य में बांग्लादेशी प्रवासियों के प्रवेश के खिलाफ असम में छह साल से चल रहे आंदोलन को समाप्त कर दिया। समझौते के खंड 6 में कहा गया है कि असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई पहचान और विरासत की रक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए, यथा उपयुक्त, संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक सुरक्षा उपाय प्रदान किए जाएंगे।

ब्रह्मपुत्र पर पुल का निर्माण फिर से शुरू करने के लिए सीएम ने गडकरी से हस्तक्षेप की मांग की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को ब्रह्मपुत्र नदी पर एक पुल के निर्माण कार्य रुकने पर चिंता व्यक्त की और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप का आग्रह किया। शर्मा ने एक्स पर लिखा कि हमने देखा है कि ब्रह्मपुत्र पर जोरहाट-माजुली पुल का काम 5 सितंबर से रुका हुआ है। मैंने माननीय केंद्रीय मंत्री श्री @nitin_gadkari जी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम दिसंबर 2025 की पूर्णता तिथि से चूक न जाएं। मुख्यमंत्री ने पत्र में उल्लेख किया कि उत्तरी तट पर माजुली और दक्षिणी तट पर जोरहाट के बीच ब्रह्मपुत्र नदी पर पहुंच मार्ग सहित नए दो लेन वाले प्रमुख पुल का निर्माण कार्य सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अगस्त 2021 में ईपीसी मोड पर उत्तर प्रदेश राज्य पुल निगम लिमिटेड को सौंपा गया था। यह क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिसका कुल अनुबंध मूल्य लगभग 650 करोड़ रुपए है। इसके दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

केंद्रीय मंत्री गिरिराज को आया जान से मारने का कॉल

पटना (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। गिरिराज के प्रतिनिधि रहे अमरेंद्र कुमार अमर के मोबाइल पर शुक्रवार को आई कॉल पर यह धमकी दी गई है। इसे लेकर बेगूसराय में लिखित शिकायत दर्ज करायी गई है। अमरेंद्र कुमार अमर ने शिकायती -शेष पृष्ठ दो पर

त्योहारी मौसम के दौरान चलाई जाएंगी 6000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली (हि.स.)। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 6000 से अधिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन 1 अक्तूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। रेलवे अधिकारी के मुताबिक -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा विवाद पर असम के साथ अगले दौर की वार्ता अक्तूबर को : सांग्मा

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने शुक्रवार को कहा कि असम के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए अगले दौर की औपचारिक वार्ता अक्तूबर में होने की संभावना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जिन क्षेत्रों में जटिलताएं हैं, उन पर गहन चर्चा होनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दोनों राज्यों द्वारा किसी भी पहलू की अनदेखी न की जाए। सांग्मा ने गुवाहाटी में कहा कि सीमा मतभेदों के संबंध में हम नियमित रूप से बैठकें करते रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

सेमीकंडक्टर : मंत्री प्रियांक की ट्वीट पर भड़के हिमंत दिया करारा जवाब

गुवाहाटी। कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उत्पादन में राज्य का 10 प्रतिशत योगदान होने के बावजूद, इसे समान अवसर नहीं दिया गया है। उन्होंने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयां उन राज्यों में हैं जिनके पास पारिस्थितिकी तंत्र या कौशल सेट नहीं है। अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पांच सेमीकॉन विनिर्माण इकाइयां, जिनमें से चार गुजरात में हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

गौरव गोगोई ने हिमंत को लिखा पत्र, परियोजनाओं से पर्यावरण पर असर को लेकर जताई चिंता

गुवाहाटी। लोकसभा में कांग्रेस के उप-नेता गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को पत्र लिखकर राज्य में अवसंरचना परियोजनाओं का स्थानीय समुदाय और पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता जताई। गोगोई ने गुरुवार को लिखे अपने पत्र में राज्य सरकार से अपील की कि वह इस तरह से कदम उठाए जिससे संतुलित विकास के साथ-साथ पर्यावरण वहनीयता और हमारे नागरिकों की बेहतरी हो। गोगोई ने शुक्रवार को मीडिया से साझा किए गए पत्र में कहा कि वहनीय विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि अवसंरचना परियोजनाएं पर्यावरण संतुलन को प्रभावित न करें। जोरहाट से सांसद ने तीन परियोजनाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में दिघली पुखुरी- नूनमाटी एफसीआई फ्लाईओवर से बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को लेकर चिंता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि नागरिक समाज समूहों ने वनों की कटाई की दर बढ़ने पर चिंता जताई है क्योंकि इसकी वजह से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, अनियोजित विकास से बाढ़ आ रही है और -शेष पृष्ठ दो पर

एमएसपी के नाम पर किसानों से झूठ बोलना बंद करें राहुल : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के रेवाड़ी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल को एमएसपी और आरक्षण जैसे मुद्दों पर आड़े हाथ लेते हुए कहा कि एमएसपी के नाम पर किसानों से झूठ बोलना बंद कीजिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे देशभर में कांग्रेस की जो सरकारें चल रही हैं, एमएसपी के नाम पर किसानों से झूठ बोलना बंद कीजिए। हरियाणा की भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

जीएसटी दरों में बड़ा बदलाव

फेस्टिव सीजन से पहले सस्ती होंगी दवाई-मोटरसाइकिल सहित सौ वस्तुएं

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में दवाइयां और मोटरसाइकिलें सस्ती हो सकती हैं, क्योंकि केंद्र सरकार जीएसटी दरों में बदलाव करने की योजना बना रही है। मंत्री समूह ने 100 से अधिक वस्तुओं की जीएसटी दरों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है, जिसमें दवाइयां और मोटरसाइकिलें शामिल हैं। गृह मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि 20 अक्तूबर को होने वाली बैठक में जीएसटी की 12 प्रतिशत दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। वर्तमान में दवाओं, मोटरसाइकिलों और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर 12 प्रतिशत जीएसटी लागू है, लेकिन इस कटौती से आम लोगों को राहत मिल सकती है। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि जीओएम की बैठक में मोटरसाइकिल, -शेष पृष्ठ दो पर

अब राजनीति का मतलब सिर्फ सत्ता की राजनीति रह गया है : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति वास्तव में समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और विकास का पर्याय है, लेकिन वर्तमान समय में इसका मतलब केवल सत्ता की राजनीति है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी यहां राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीति में विचारों में मतभेद की समस्या नहीं, बल्कि विचारों की कमी की समस्या है। राजनीति का अर्थ है समाजकरण (समाज सेवा), राष्ट्रकरण (राष्ट्र निर्माण) और विकासकरण (विकास)। लेकिन अब राजनीति की परिभाषा बदलकर सत्ताकरण (सत्ता की राजनीति) ही -शेष पृष्ठ दो पर

जनता की आशाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप सदन में संवाद हो : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतन्त्र तभी सशक्त होता है, जब सदन सहमति-असहमति के बावजूद सामूहिक रूप से, गरिमा और शालीनता से लोकहित के विषयों पर चर्चा और संवाद करता है। इसलिए जरूरी है कि जनता की आशाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप सदन में संवाद हो। मिजोरम विधानसभा में शुक्रवार को आयोजित कामनवेल्थ पार्लियामेंट्री अफेयर्स (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन -3 के 21वें सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायी शुचिता और पारदर्शिता लोकतंत्र को सशक्त करने में सहायक सिद्ध होती है। विधायिका की शुचिता बनाए रखना पीठासीन अधिकारियों का विशेष दायित्व है और इस दिशा में उन्हें सदैव सजग रहना चाहिए। विधायी कार्य में जनता की आशाओं और अपेक्षाओं को प्रमुखता मिलनी चाहिए। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, नगालैंड विधानसभा के अध्यक्ष और सीपीए इंडिया क्षेत्र, जोन-थ्री के अध्यक्ष शेरिंगेन लोंगकुमेर, मिजोरम -शेष पृष्ठ दो पर

देश में मंकी पॉक्स का आया तीसरा मामला स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में वायरल इंफेक्शन मंकी पॉक्स का खतरा एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा मामला केरल का है, जहां मंकी पॉक्स का दूसरा मरीज मिला है। देश में मंकी पॉक्स का यह तीसरा मामला है। 26 वर्षीय यह युवक हाल ही में दुबई से केरल के एर्नाकुलम लौटा है। तेज बुखार आने पर परीक्षण करने पर मंकी पॉक्स की पुष्टि हुई है। हालांकि अभी स्ट्रेन का पता नहीं चला है। केरल से स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार मरीज की हालत स्थिर है और उसे आइसोलेशन में रखा गया है। मरीज के सैंपल को पुणे स्थित एनआईवी लैब में परीक्षण के लिए भेजा गया है। इससे पहले 18 सितंबर को भी केरल के मल्लपुरम निवासी एक व्यक्ति के मंकी पॉक्स से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। यह व्यक्ति यूएई के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत में सभी मौसम के लिए पर्यटन उपलब्ध है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक पसंदीदा वैश्विक पर्यटन स्थल है। यहां सभी मौसमों के लिए पर्यटन उपलब्ध हैं। उन्होंने वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भारत की स्थिति को ऊपर उठाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने शुक्रवार को विज्ञान भवन में विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता, उत्कृष्टता, ज्ञान, वेद और 5,000 साल पुरानी सभ्यता के लोकाचार की भूमि से पर्यटक पूरे साल, सभी मौसम का अनुभव कर सकते हैं। आर्थिक विकास के इंजन के रूप में पर्यटन, भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की महत्वपूर्ण क्षमता रखता है। उपराष्ट्रपति ने वैश्विक शांति, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया करते हुए कहा कि पर्यटन मानवता के बंधनों को जोड़ता है, जिसकी आज की दुनिया में बहुत जरूरत है। उन्होंने पर्यटन को भारत की डिजिटलीकरण क्रांति की सफलता की कहानी का अनुसरण करने का आह्वान किया। उन्होंने तीन प्रमुख क्षेत्रों अर्थव्यवस्था में व्यापक योगदान, कार्यबल को बेहतर बनाना और रोजगार पैदा करने पर प्रकाश डाला, जिन पर पर्यटन का प्रभाव पड़ेगा। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और उन्हें पर्यटन का सबसे बड़ा राजदूत बताया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने लक्षद्वीप में कुछ ही पल बिताए और पूरी दुनिया को इसके बारे में पता चल गया। उन्होंने पर्यटन, बुनियादी ढांचे और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष के रूप में अपने अनुभव पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि यदि आप मेघालय जैसे स्थान पर जाएं, तो आप वहां के पानी की शुद्धता देखकर आश्चर्यचकित हो जाएंगे; आप एक ऐसे गांव को देखकर आश्चर्यचकित हो जाएंगे जो इतना पर्यावरण-अनुकूल है। यह इस बात का उदाहरण है कि भारत ने केवल दस वर्षों में पर्यटन के क्षेत्र में क्या-क्या उपलब्धियां हासिल की हैं। उपराष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर के पर्यटन परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन पर व्यक्तिगत विचार भी साझा करते हुए कहा कि जब मैं मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में श्रीनगर गया था, तो मुझे सड़कों पर मुश्किल से एक दर्जन लोग दिखाई दिए थे। आज, पिछले साल दो करोड़ से अधिक लोग पर्यटक के रूप में कश्मीर पहुंचे थे। यह तेजी से हो रही यह वृद्धि वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती स्थिति का प्रमाण है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इसके वैश्विक आकर्षण का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा कि यूनेस्को ने 45 विरासत स्थलों को सूचीबद्ध किया है, लेकिन वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है। दुर्गा पूजा, गणेश चतुर्थी और दिवाली जैसे हमारे त्यौहार आकर्षण हैं जो दुनिया भर से पर्यटकों को प्रभावित करते हैं।

भाई पर लगा बहन की हत्या करने का आरोप

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो के सौरामुरी इलाके में भाई पर बहन की हत्या करने का आरोप लगा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार को निराला नमशुद्र नामक महिला का शव खेत में देखे जाने की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि जमीन विवाद को लेकर निराला की हत्या उसके बड़े भाई दिनेश नमशूद्र द्वारा की गई है। घटना के बाद से ही दिनेश फरार है।

सरकार ने गठित की 24 संसदीय समितियां विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष होंगे थरूर

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों से जुड़ी 24 संसदीय समितियों का गठन कर दिया है। इसमें भाजपा नेता राधामोहन सिंह को रक्षा मामलों, भर्तृहरि महताब को वित्त मामलों, राधा मोहन दास अग्रवाल को गृह मामलों और कांग्रेस नेता शशि थरूर को विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को रक्षा मामले की समिति का सदस्य बनाया गया है। सोनिया गांधी का नाम किसी भी समिति में नहीं है। विभाग संबंधी कुल 24 स्थायी समितियों में से 11 की अध्यक्षता भाजपा के सदस्यों को मिली है। चार समितियों का नेतृत्व भाजपा के सहयोगी दलों को मिला है। कांग्रेस से जुड़े नेता चार समितियों की अध्यक्षता करेंगे। दो-दो समितियों के द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अध्यक्ष होंगे और एक संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के सांसद करेंगे। प्रत्येक समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्यों को शामिल किया गया है। लोकसभा की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार भाजपा नेता सीएम रमेश रेलवे, सपा नेता रामगोपाल यादव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल से जुड़ी समिति के अध्यक्ष होंगे। इनके अलावा वाणिज्य से जुड़ी समिति डोला सेन, वाणिज्य एवं उद्योग से जुड़ी समिति तिरुचि शिवा, विज्ञान प्रोद्योगिकी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन की समिति से भाजपा के भुवनेश्वर कलिता, परिवहन पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी समिति के जनता दल (यू) नेता संजय कुमार झा अध्यक्ष होंगे। कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय से जुड़ी समिति भाजपा नेता बृजलाल, कृषि पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी समिति की अध्यक्षता कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी करेंगे। सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार से जुड़ी समिति भाजपा नेता निशिकांत दुबे, ऊर्जा से जुड़ी समिति शिवसेना नेता श्रीरंग अप्पा चंदू, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण से जुड़ी समिति द्रमुक नेत्री कन्नीमोई अध्यक्षता करेंगी।

No:- MB-147/SOPD/Chir/2022-23/975 *Date :- 27/09/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER (SNIT)

The office of the Block Dev. Officer, Manikpur Dev. Block, Manikpur (Chirang Part) invited bid for the works under SOPD fund of BTC for the year 2024-25 in Bid system (F2 Form) affixing a non-refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees Eight & twenty five Paisa) only from the registered contractors of class-I (A,B,C,), Class-II and Class-III category of Assam PWD (Road & Building) for the works as details below.

Sl No.	Name of the Works	Estimated Value	Cost. Of Tender Paper	Time of completion of work	Earnest Money
1.	Repairing of Dahalapara AWC No. 203	RS. 1,58,000.00	Rs. 500/-	90 days	1 % for ST,SC,OBC Category & 2% for General Category in favour of BDO, Manikpur Development Block, Manikpur
2.	Repairing of 208 No. Mahadipara AWC.	Rs. 1,55,000.00	Rs. 500/-	90 days	
3	Repairing of No.2 Fagunagaon 234 AWC.	Rs. 1,60,000.00	Rs. 500/-	90 days	

Details SNIT may be seen in all working days during office hours in the Office of the undersigned tender paper will issued to the contractors or their authorized representatives in the office of the undersigned on payment of Rs. 500/- (Rupees Five hundred) only in the form of demand draft / Bankers Cheque from any Nationalized Bank duly pledged in favour of **"The Principal Secretary, BTC, Kokrajhar" Payable at Kokrajhar**. In case the Office remains closed on tender issuing/receiving/ opening Date the same will be issued/received/opened on the next working day.

1. Date of issue of Bid Document:- 30-09-2024
2. Last date of issue and submission of Bid Document: 21-10-2024 (up to 2:00 PM)
3. Date of Opening of Bid: 21-10-2024 (at 2:30 PM)

Sd/- Block Development Officer
Manikpur Development Block, Manikpur

IPR(BTC)/C/2024-25/619

पृष्ठ एक का शेष

जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम...

निर्माण का जिम्मा सौंपा गया है। आयोजन समिति का मानना है कि इस भव्य थीम और खूबसूरत कारीगरी से पंडाल इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा और दर्शकों के दिलों को छुएगा। दुर्गा प्रतिमा की बात करें तो इसे पारंपरिक शैली में तैयार किया जा रहा है। प्रसिद्ध प्रतिमा कलाकार नीलू पाल द्वारा बनाई जा रही। इस प्रतिमा में परंपरागत सुंदरता और गरिमा का विशेष ध्यान रखा गया है। नीलू पाल की कला और परंपरागत शैली की छाप से प्रतिमा अद्वितीय दिखेगी, जो दर्शकों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाएगी। रेस्ट कैंप कालीबाड़ी की दुर्गापूजा का एक अन्य प्रमुख आकर्षण विशाल मेला है। यह मेला पूजा के शुरू होने से कुछ दिन पहले ही प्रारंभ हो जाता है और न सिर्फ पांडू क्षेत्र के लोग बल्कि, आसपास के इलाके से भी लोग बड़ी संख्या में मेले का आनंद लेने आते हैं। मेले में दूर-दूर से व्यापारी आते हैं और इसमें खाने-पीने के स्टॉल से लेकर बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के राइड्स और खेल स्टॉल शामिल होते हैं। बच्चों के लिए यह मेला खास आनंद का स्रोत होता है, जहां वे पूरे उत्साह और मस्ती से दिन बिताते हैं। दर्शकों की सुविधा के लिए मेले में सुव्यवस्थित पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है, ताकि लोग बिना किसी असुविधा के इस विशेष आयोजन का हिस्सा बन सकें। पूजा मंडप को पश्चिम बंगाल के मशहूर प्रकाश शिल्पी बप्पी भास्कर अपनी विशेष प्रकाश व्यवस्था से रोशन करेंगे। उनकी कला से सजी प्रकाश व्यवस्था पूरे मंडप को जीवन्त कर देगी, जो इस पूजा को एक अद्वितीय अनुभव में बदल देगी। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल के ढाकियों की ढाक की धुनों से पूजा मंडप गूंज उठेगा, जो इस आयोजन की खुशी और आनंद को और भी बढ़ाएगा। ढाक की आवाज सुनते ही मानो पूजा का पूरा माहौल जीवंत हो उठता है। इस वर्ष भी यह परंपरा पूरी भव्यता के साथ जीवित रहेगी। सुरक्षा की दृष्टि से भी इस बार पूजा मंडप में विशेष व्यवस्था की गई है। सरकारी नियमों का पालन करते हुए सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जाएगी और निजी सुरक्षा गार्ड भी तैनात रहेंगे, ताकि श्रद्धालु और दर्शक बिना किसी चिंता के इस महोत्सव का आनंद उठा सकें। पूजा स्थल के चारों ओर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे, जिससे श्रद्धालु पूरी तसल्ली के साथ पूजा और मेला का हिस्सा बन सकें। इस वर्ष दुर्गापूजा का शुभारंभ 6 अक्तूबर (रविवार) को होगा। पूजा का उद्घाटन उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे के जनरल मैनेजर चेतन कुमार श्रीवास्तव और उनकी पत्नी शालिनी श्रीवास्तव द्वारा किया जाएगा। यह आयोजन इस पूजा की प्रतिष्ठा को और बढ़ाएगा और इसे खास बना देगा। जैसा कि हर साल होता है, इस बार भी पूजा की विशेष स्मारिका में प्रतिष्ठित साहित्यकार, कवि और कथाकारों को स्थान दिया जाएगा। इस साहित्यिक पहल का स्वागत स्थानीय निवासियों ने बड़े उत्साह के साथ किया है। यह आयोजन केवल भक्ति और धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं रहता बल्कि, इसमें साहित्य, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों की भी झलक मिलती है। हालांकि, रेस्ट कैंप कालीबाड़ी की दुर्गापूजा बड़े बजट और भव्यता के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पांडू की नई पीढ़ी ने छोटे बजट की पूजा के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और विविधता का परिचय दिया है।

नवरात्रि और दुर्गा ...

कहा कि हर साल कामाख्या मंदिर में दुर्गा पूजा अलग-अलग उत्साह के साथ मनाई जाती है। अनुष्ठानों के अनुसार, यहां दुर्गा प्रतिमा की पूजा नहीं की जाती है। लेकिन इस दौरान अन्य सभी अनुष्ठान किए गए हैं। हमने सभी व्यवस्थाएं की हैं, हिमाद्री शर्मा ने कहा। नवरात्रि उत्सव के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि नवरात्रि के बाद पहले दिन से कुमारी पूजा (कुंवारी पूजा) की जाएगी। हिमाद्री शर्मा ने कहा कि पहले दिन एक कुमारी पूजा की जाएगी, दूसरे दिन दो... और नौवें दिन नौ कुमारियों की पूजा की जाएगी। राजस्थान के एक भक्त ने कहा कि वह हर साल दुर्गा पूजा समारोह के दौरान ऐतिहासिक मंदिर में आते हैं। भक्त ने कहा कि हर साल कामाख्या मंदिर में एक पखवाड़े तक चलने वाला दुर्गा पूजा उत्सव आयोजित किया जाता है और हमें यहां आकर बहुत खुशी होती है। कामाख्या मंदिर नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित है और देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है।

बांग्लादेश : डर के ...

रह गया था। पूजा शुरू होने से एक दिन पहले मूर्ति को मंदिर से मंडप तक ले जाया जाना था लेकिन गुरुवार की सुबह करीब चार बजे एक युवक ने मंदिर में घुसकर मूर्ति को खंडित कर दिया। वहां से टूटी हुई मूर्ति ले जाने के दौरान मंदिर के बगल वाले घर की महिला डॉली रानी घटना देख चीख पड़ीं। इस बीच अखिलचंद्र विश्व शर्मा और विपुल घोष ने युवक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। इसी तरह 15 सितंबर को फरीदपुर में दो मंदिरों में मूर्तियां तोड़ दी गईं। यह घटना फरीदपुर के भांगाबाजार के गुरुपट्टी इलाके में स्थित *भांगाबाजार सार्वजनिन हरि मंदिर* और भांगा पुलिस स्टेशन के सामने स्थित *भांगा सार्वजनिन काली मंदिर* में हुई। उस मंदिर में 75 वर्षों से दुर्गा पूजा की जा रही है। दोनों मंदिरों में मूर्तियां तोड़ने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने पहले उसे भारतीय नागरिक के रूप में प्रचारित किया। बाद में पता चला कि वह उसी इलाके का रहने वाला बांग्लादेशी नागरिक है। इसी तरह बरिसाल के बरगुना सदर में 20 सितंबर की देर रात उपजिला के फुलझुरी संघ के गलाचिपा गांव के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में मूर्ति को खंडित कर दिया गया। मंदिर के अध्यक्ष विपुल समद्दर ने बताया कि देर रात बदमाशों ने मंदिर में घुसकर इस घटना को अंजाम दिया। सुबह मंदिर जाने पर मामले का पता चला। बाद में सभी को सूचना दी गई। उस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। मंदिर में चार-पांच मूर्तियां तोड़ी गई हैं। दीपांकर घोष ने कहा कि हमने सरकार के सभी स्तरों पर बैठकें की हैं। वे हमें हमारी सुरक्षा का भरोसा दिला रहे हैं लेकिन हम अभी तक निश्चित नहीं हो सकते और सिर्फ पुलिस सुरक्षा से इसे रोकना संभव नहीं है। इसके लिए समाज के सभी लोगों की ईमानदारी और सहयोग की आवश्यकता है। बांग्लादेश केंद्रीय पूजा उत्सव परिषद के महासचिव संतोष शर्मा ने कहा कि हमने पूजा को मैदान से दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया। अब इसमें कोई दिक्कत नहीं है। दक्षिण सिटी कॉरपोरेशन के पूर्व मेयर तापस ने धानमंडी के कलाबागान मठ में पूजा रोक दी थी। इस बार धानमंडी के कालाबागान मठ में पूजा होगी। उत्तर सेक्टर 17 में वृंदावन इस्कॉन मंदिर के बगल में सार्वजनिक पूजा मंदिर के अध्यक्ष ने कहा कि शांतिपूर्ण पूजा गतिविधियां चल रही हैं। हम इस बार बहुत शांति से पूजा संपन्न करेंगे। बांग्लादेश जन्माष्टमी उत्सव परिषद की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष सुकुमार चौधरी से इस साल की दुर्गा पूजा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि हम हिंदू शांति के लिए दुर्गा पूजा करते हैं। मां दुर्गा ने राक्षसों का विनाश किया और सभी को शांति प्रदान की। हिंदू धर्म शांति का धर्म है, हम शांति में विश्वास करते हैं। मूर्ति विध्वंस में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह के घृणित कृत्य को करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने कहा कि राजनीतिक माहौल में बदलाव के साथ, हमें 5 अगस्त से देश भर के मंदिरों पर हमलों और बर्बरता की 1500 से अधिक शिकायतें मिली हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन उत्तर पश्चिम शाखा पूजा समिति के उपाध्यक्ष संदीप कुमार ने कहा कि उन्होंने पूजा को पूरा करने के लिए उत्तर के मोचा चटवार या उत्तर नंबर 11 सेक्टर जमजम टॉवर के निकट एक खाली जगह की पेशकश की है। व्यवस्था के समग्र लाभों को ध्यान में रखते हुए बेहतर क्षेत्र पर निर्णय लेना बेहतर है। उन्होंने कहा कि देश भर में कितने मंडपों की मूर्तियां तोड़ी गई हैं, इसका सटीक हिसाब हमारे पास अभी तक नहीं है। हमें शिकायतें मिल रही हैं, हम शिकायतों का सत्यापन करेंगे और कुछ दिनों के भीतर जानकारी जारी करेंगे। हालांकि, 5 अगस्त के बाद से हमें मंदिरों पर हमलों सहित विभिन्न प्रकार के हमलों और बर्बरता की 1500 से अधिक शिकायतें मिली हैं।

ब्रह्मपुत्र पर पुल का ...

हालांकि, हमारे संज्ञान में आया है कि 5 सितंबर, 2024 से निर्माण कार्य ठप पड़ा हुआ है, जो चिंता का गंभीर कारण है। चूंकि शुष्क मौसम शुरू हो चुका है, इसलिए यह अवधि स्थिर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है, और इस स्तर पर किसी भी देरी से कार्य दिवसों और महत्वपूर्ण समय का काफी नुकसान हो सकता है, जिससे लागत और समय में काफी वृद्धि हो सकती है। शर्मा ने आगे कहा कि इसके अलावा, रिपोर्ट बताती है कि ईपीसी ठेकेदार, यूपी स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, साइट छोड़कर चला गया है, जिससे काम रुक गया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि आगे की देरी इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना के समय पर पूरा होने को खतरे में डाल देगी, जो माजुली और पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने तत्काल सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के लिए गडकरी से हस्तक्षेप की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें अगर आवश्यक समझा जाए तो बिना किसी देरी के परियोजना के लिए फिर से टेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू करना शामिल हो सकता है। वैकल्पिक रूप से, यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कार्रवाई की जा सकती है कि दिसंबर 2025 की लक्ष्य पूर्णता तिथि से समझौता किए बिना काम फिर से शुरू हो।

सीमा विवाद पर ...

अनौपचारिक रूप से भी मैंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ कई बार चर्चा की है। उन्होंने कहा कि वार्ता शीघ्र शुरू करने का निर्णय लिया गया है और अगले दौर की वार्ता संभवत: अक्तूबर में होगी। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्र बहुत जटिल हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम सूक्ष्म विवरणों पर चर्चा करें। उन्होंने विवाद के उन छह स्थानों का जिक्र किया, जिनका अभी तक समाधान नहीं हो पाया है। असम और मेघालय के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय सीमा पर 12 क्षेत्रों में लंबे समय से विवाद चल रहा है। दोनों राज्यों ने छह क्षेत्रों में विवाद समाप्त करने की दिशा में मार्च 2022 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। प्रथम चरण में निपटारे के लिए चुने गए 36.79 वर्ग किलोमीटर विवादित क्षेत्र में से असम को 18.46 वर्ग किलोमीटर और मेघालय को 18.33 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मिला। शेष छह स्थानों पर, जहां मतभेद अधिक जटिल हैं, दूसरे चरण में विचार किया जा रहा है। मेघालय को 1972 में असम से अलग करके बनाया गया था।

सेमीकंडक्टर : मंत्री प्रियांक ...

और एक असम में है, लेकिन उनके पास वहां कौशल का कोई पारिस्थितिकी तंत्र नहीं है। उनके पास वहां शोध का कोई पारिस्थितिकी तंत्र नहीं है। उनके पास ऊष्मायन का पारिस्थितिकी तंत्र नहीं है। उनके पास नवाचारों के पारिस्थितिकी तंत्र की कोई व्यवस्था नहीं है। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि जब 70 प्रतिशत चिप डिजाइनिंग प्रतिभा कर्नाटक में है, तो मुझे समझ नहीं आता कि सरकार राजनीतिक रसूख का उपयोग करके इसे दूसरे राज्य में क्यों धकेलना चाहती है। यह अनुचित है। अब इसी को लेकर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने प्रियंका खड़गे पर पलटवार किया है। हिमंत विश्व शर्मा ने लिखा कि एक बार फिर, कांग्रेस ने असम के विकास का विरोध करके अपना असली रंग दिखाया। कर्नाटक के एक मंत्री, जो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे भी हैं, का दावा है कि असम को सेमीकंडक्टर उद्योग की मेजबानी करने का कोई अधिकार नहीं है! मैं असम कांग्रेस के नेताओं से आग्रह करता हूं कि वे इस विभाजनकारी सोच को खारिज करें और असम के उचित विकास और प्रगति के लिए खड़े हों। भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत पांच सेमीकंडक्टर इकाइयां हैं जिन्हें 76,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी मिलेगी - साणंद में माइक्रोन की इकाई, धोलेरा में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स-पावरचिप सेमीकंडक्टर की इकाई, सीजी पावर-रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स की इकाई साणंद में, कीन्स सेमीकॉन की इकाई भी साणंद में है, और टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट की इकाई असम के मोरीगांव में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद कहा कि भारत पहले से ही दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता है।

गौरव गोगोई ने हिमंत ...

राज्य में वनक्षेत्र कम हो रहा है। गोगोई ने पर्यावरण प्रभाव आकलन करने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार को परियोजनाओं पर आगे बढ़ने से पहले वृहद पैमाने पर नागरिक समाज समूहों, पर्यावरण विशेषज्ञों और स्थानीय समुदायों से विचार-विमर्श करना चाहिए। गोगोई ने कहा कि सतत विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बुनियादी ढांचा परियोजनाएं हमारे प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण संतुलन की कीमत पर न आएं। कांग्रेस सांसद ने ब्रह्मपुत्र नदी पर जोरहाट-माजुली पुल के निर्माण कार्य को रोकने की ओर भी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने कहा कि मीडिया में आई खबरों के मुताबिक दो ठेकेदारों के बीच विवाद के कारण काम रूका हुआ था। पुल निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में एकत्र निर्माण सामग्री और उपकरण जमा कहीं और ले जाया गया। इसके अतिरिक्त, ऐसी खबरें भी हैं कि स्थानीय ठेकेदारों को उनका बकाया नहीं मिला है, जिसके कारण परियोजना में देरी हुई और हितधारकों के बीच असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने संपर्क सुधारने के लिए पुल के महत्व पर जोर देते हुए सरकार ने परियोजना की स्थिति स्पष्ट करने और इस मुद्दे का समाधान करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने को कहा।

एमएसपी के नाम...

सरकार किसानों से 24 फसलें एमएसपी पर खरीद रही है। हरियाणा में कांग्रेस के नेता एक बार बता दें कि देश में आपकी कौन सी सरकार एमएसपी पर 24 फसल खरीदती है? जम्मू-कश्मीर में जाकर ये कहते हैं कि हम सभी आतंकियों और पत्थरबाजों को छोड़ देंगे। 40 हजार लोग जम्मू-कश्मीर में मारे गए, हमारे सेना के जवान शहीद हो गए और आप कहते हैं कि आप उन्हें छोड़ दोगे। अमित शाह ने आगे कहा कि राहुल बाबा विदेश जाकर कहते हैं कि हम एसटी-एससी-ओबीसी समुदाय का आरक्षण समाप्त कर देंगे। अरे राहुल बाबा हिम्मत है तो हरियाणा में आकर वही भाषण दीजिए। ये हम पर आरोप लगाते थे कि हम आरक्षण समाप्त करने वाले हैं और अमेरिका जाकर अंग्रेजी में बोलकर आए कि आरक्षण समाप्त कर देंगे। राहुल बाबा कैसे समाप्त कर दोगे, सरकार हमारी है और मैं कह देता हूं कि जब तक संसद में भाजपा का एक भी सांसद है, तब तक आप आरक्षण समाप्त नहीं कर सकते हैं।

फेस्टिव सीजन से ...

बोतलबंद पानी और चिकित्सा से संबंधित वस्तुओं पर कर दरों में कमी की संभावनाओं पर चर्चा की गई है। वर्तमान में ये वस्तुएं 12 प्रतिशत के स्लैब में आती हैं। इन कटौतियों से सरकार को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए जीओएम कुछ वस्तुओं जैसे एयरटेड पानी और पेय पदार्थों पर जीएसटी दर बढ़ाने की योजना बना रहा है, जो वर्तमान में 28 प्रतिशत पर हैं। इन पर उपकर भी बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में चार मुख्य जीएसटी दरें 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत हैं। 2024 में औसत जीएसटी दर 11.56 प्रतिशत हो गई है, जो रेवेन्यू न्यूट्रल रेट (15.3 प्रतिशत) से काफी कम है। जीएसटी कानून के तहत सरकार 40 प्रतिशत तक की दर लगा सकती है। जीएसटी की 23वीं बैठक में 28 प्रतिशत स्लैब को हटाकर 178 वस्तुओं पर कर की दरें घटाई गई थीं। पश्चिम बंगाल ने सुझाव दिया कि उस निर्णय पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। खाद्य वस्तुओं पर जीएसटी की दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है, जिससे कीमतों में कमी आ सकती है। साइकिल और उसके कलपुर्जों पर भी जीएसटी दर घटाने पर विचार हो रहा है, जो वर्तमान में 12 प्रतिशत है। ई-साइकिल पर पहले से ही 5 प्रतिशत कर है, जिसे यथावत रखने का प्रस्ताव है। स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर वर्तमान में 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जिसे घटाने या हटाने की मांग की जा रही है। इस पर निर्णय लेने के लिए मंत्रिस्तरीय समिति की पहली बैठक 19 अक्तूबर को होगी। समिति को अपनी रिपोर्ट अक्तूबर के अंत तक सौंपनी है, और इस पर अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद की नवंबर में होने वाली बैठक में लिया जाएगा। इन संभावित जीएसटी दरों में बदलाव से जहां कुछ आवश्यक वस्तुएं सस्ती होंगी, वहीं कुछ अन्य वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। सरकार का उद्देश्य जनता को राहत देने के साथ-साथ राजस्व संतुलन बनाए रखना है।

अब राजनीति का ...

रह गई है। गडकरी ने कहा कि पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता के रूप में काम करते समय, हमें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। कोई पहचान और सम्मान नहीं था। हरिभाऊ बागड़े ने लोगों के कल्याण के लिए समर्पण के साथ काम किया...मैंने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में 20 वर्ष तक विदर्भ की यात्रा की और काम किया। उन्होंने कहा कि लोग हमारी रैलियों पर पत्थर फेंकते थे। आपातकाल के बाद जिस ऑटोरिक्शा का इस्तेमाल मैं घोषणाएं करने के लिए करता था, लोगों ने उसे जला दिया था। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि अब हजारों लोग मुझे सुनने आते हैं। लेकिन यह लोकप्रियता मेरी नहीं है, यह हरिभाऊ बागड़े जैसे कार्यकर्ताओं की बदौलत है, जिन्होंने कड़ी मेहनत की और अपना जीवन खतरे में डाला। गडकरी ने कहा कि पार्टी का एक अच्छा कार्यकर्ता वही होता है, जो पार्टी में कुछ न मिलने पर भी अच्छा व्यवहार करता है। उन्होंने कहा कि जिन्हें कुछ मिलता है, वे स्वाभाविक रूप से अच्छा व्यवहार करते हैं।

जनता की आशाओं ...

विधानसभा अध्यक्ष लालबियाकजामा और मिजोरम विधानसभा के उपाध्यक्ष लालफामकिमा उपस्थित रहे। मिजोरम विधानसभा के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर बिरला ने मिजोरम विधानसभा पुस्तकालय के आर्काइव्ज अनुभाग का उद्घाटन किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संबोधन के दौरान कहा कि विधानमंडल आम लोगों से संबंधित मुद्दों पर उपयोगी चर्चा के लिए मंच है। निर्वाचित प्रतिनिधियों को विधानमंडल के मंच का उपयोग लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए करना चाहिए। इससे नागरिकों का विधायी संस्थाओं पर विश्वास बढ़ेगा, विधि निर्माण की गुणवत्ता बढ़ेगी और विधायी संस्थाओं की गरिमा भी बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि विधायिका को विधि और नीति निर्माण के साथ-साथ शासन की जवाबदेही पर जोर देना चाहिए जिससे आम नागरिकों के जीवन में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लाया जा सके। बिरला ने कहा कि विधायी कार्य में डिजिटल प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इन संस्थानों में डिजिटल तकनीक का प्रयोग विधायी प्रक्रिया में जन भागीदारी, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ाता है और संसदीय समिति प्रणाली को और मजबूत करता है जिससे विधायिका जन कल्याण का सर्वोत्तम माध्यम बनती है।

देश में मंकी पॉक्स...

दुबई से लौटा था। उसकी जांच में भी मंकी पॉक्स के संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उसके सैंपल में मंकी पॉक्स क्लैड आईबी स्ट्रेन पाया गया था, जिसे बेहद ज्यादा संक्रमण फैलाने वाला और जानलेवा स्ट्रेन घोषित किया जा चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे चिंताजनक स्ट्रेन घोषित किया है। इससे पूर्व देश का पहला मंकी पॉक्स का मामला दिल्ली में रिपोर्ट हुआ था, जहां जांच में एक व्यक्ति का सैंपल पॉजिटिव पाया गया था।। उसके सैंपल में क्लैड 2 स्ट्रेन मिला था, जो कम घातक और कम संक्रमण फैलाने वाला है। मंकी पॉक्स के मामले पर लगाम लगाने के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को एडवाइजरी जारी कर दी है। केंद्र सरकार ने कहा है कि मंकी पॉक्स के मामले सामने न आएं, इसके लिए राज्यों को सावधानी बरतने के साथ तेजी से कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंकी पॉक्स के सभी मरीजों के स

चोर के संदेह में एक युवक की बेरहमी से सामूहिक पिटाई

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के लाउखोआ इलाके में एक युवक की बड़ी बेरहमी से सामूहिक पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि लाउखोआ के अतुल मंडल नामक व्यक्ति के घर से मवेशी चोरी करने के संदेह के आधार पर स्थानीय लोगों ने एक युवक की बड़ी ही बेरहमी से पिटाई की। घटना का वीडियो सामने आने पर इस मामले का खुलासा हुआ। दस नंबर काठपाड़ा निवासी मोहिद आलम की मवेशी चोरी करने के संदेह में सामूहिक पिटाई की गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायल मोहिद को इलाज के लिए नगांव मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसका इलाज आईसीयू में चल रहा है। वह जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। वहीं मृतक के परिजनों का कहना है कि अगर वह मवेशी चोरी करने गया था तो उसको पकड़कर पुलिस को सौंपना चाहिए था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गौहाटी विवि स्नातकोत्तर छात्र संघ चुनाव

अभाविप के मानस प्रतिम कलिता ने अध्यक्ष पद पर दर्ज की जीत

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय (गौविवि) स्नातकोत्तर छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) समर्थित उम्मीदवार मानस प्रतिम कलिता, साहित्यिक सचिव पद के लिए प्राणजीत कोच और छात्र लाउंज सचिव पद पर बिनोद बोड़ो ने जीत हासिल की है। अभाविप ने इस जीत के बाद कहा कि गत कुछ समय से स्नातकोत्तर छात्र संस्था का नाम लेकर कई छात्र संस्थाओं के द्वारा बार-बार अभाविप पर आक्रमण किए जाने के बावजूद आज विश्वविद्यालय छात्र समाज ने अभाविप समर्थित उम्मीदवार को अध्यक्ष के पद पर जीत दिलाकर उन्हें उचित उत्तर दिया है। अभाविप, असम प्रदेश के प्रदेश सचिव हेराल्ड मोहन ने गौहाटी विश्वविद्यालय के छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए इस जीत को गौहाटी विश्वविद्यालय के छात्रों की जीत करार दिया है।

उन्होंने कहा कि गौहाटी विश्वविद्यालय के अंदर कुछ निर्दिष्ट व्यक्तियों के नेतृत्व में जिस तरह लाचित बरफूकन और मां कामाख्या का फोटो जलाया गया था, उसका उचित उत्तर आज गौहाटी विश्वविद्यालय के छात्र समाज ने दिया है।

मंत्री सिंघल ने डीओएचयूए के एकीकृत पोर्टल और आईएनओ सिंचाई ऐप को अपग्रेड करने का दिया आदेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के आवास और शहरी मामलों तथा सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने आज विस्तृत और व्यापक बैठकों की एक श्रृंखला में आवास और शहरी मामलों के विभाग और सिंचाई विभाग के तहत विभिन्न कार्यक्षेत्रों की गहन समीक्षा की। इन चर्चाओं में प्रमुख उपलब्धियों, लंबित पहलों और भविष्य के लक्ष्यों को शामिल किया गया, जिसमें सेवा वितरण की दक्षता और प्रभाव को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। ये बैठकें जनता भवन में मंत्री के कार्यालय में आयोजित की गईं, जहां मंत्री सिंघल ने गुवाहाटी जल बोर्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) और आवास और शहरी मामलों के विभाग (डीओएचयूए) के एकीकृत पोर्टल के संचालन की बारीकी से जांच की। चर्चाओं में शहरी जल प्रबंधन, वंचितों के लिए आवास योजनाओं

और शासन को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजिटल पहलों को बेहतर बनाने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। सिंचाई विभाग के साथ एक अलग सत्र में मंत्री ने लाभार्थियों को संपर्क रहित और कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए अगली पीढ़ी के तकनीकी हस्तक्षेप को अपनाने के महत्व को रेखांकित किया। डिजिटल परिवर्तन की बढ़ती आवश्यकता को समझते हुए, मंत्री सिंघल ने अधिकारियों को डीओएचयूए के एकीकृत पोर्टल और सिंचाई विभाग के आईएनओ एप्लीकेशन को अत्याधुनिक मानकों पर अपग्रेड करने का निर्देश दिया। इन अपग्रेड से संचालन को सुव्यवस्थित करने और जनता के लिए पहुंच बढ़ाने की उम्मीद है। समीक्षा बैठकों में प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें सिंचाई विभाग की आयुक्त एवं सचिव कविता पद्मनाभन, सिंचाई विभाग के आयुक्त एवं सचिव वीरेंद्र मित्तल, सिंचाई विभाग के सचिव पवित्र राम खौंद तथा दोनों विभागों के अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल थे।

होजाई : रविंद्रनाथ टैगोर विवि के छात्र एकता सभा का चुनाव संपन्न

होजाई (निसं)। होजाई के रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के छात्र एकता सभा के चुनाव 2024-25 में 12 पदों में से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की आठ पदों पर विजय। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तरफ से अध्यक्ष के पद पर राजा चौहान, उपाध्यक्ष के पद पर शुभम शाह, सचिव के पद पर अंशुमन सुप्रतिम दास, गेम्स एंड स्पोर्ट्स सचिव के पद पर राहुल चौहान, सोशल सर्विस सचिव के रूप में कौशिक दास, गर्ल्स कॉमन रूम सचिव के रूप में नयनतोरा दास को निर्विरोध विजय हासिल हुई। वही आज चार पदों पर चुनाव हुए जिसमें से दो पदों पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रार्थी-मैगजीन सचिव के पद पर शर्मीली इंघीपी व स्टूडेंट ऐड फंड सचिव के पद पर मनीष दत्त की विजय हुई। वहीं निर्दलीय उम्मीदवार हरि प्रसाद राय ने सहायक सह सचिव के पद पर व सांस्कृतिक सचिव के पद पर हिमाश्री हसम ने विजय हासिल की व डिबेट और सिंपोजियम सचिव के पद के चुनाव स्थगित रख गए व बॉयज कॉमन रूम सचिव का पद रिक्त रहा। आज

हुए मतदान में 41त्न विद्यार्थियों ने मतदान किया। इस चुनाव में चुनाव अधिकारी के रूप में थे डॉ. प्रेमसागर प्रसाद व सहायक चुनाव अधिकारी के रूप में थे डॉ. जीएन शर्मा व डॉ. डीजमानी शर्मा। पूरे चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रशासन मुस्तैद रहा जिसे विश्वविद्यालय का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हो सके। नतीजे के पश्चात आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया व शहर में रैली निकाली। वहीं निर्दलीय खेमे में भी जोश देखा गया।

तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कटिया तली गोरुबंदा इलाके में तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत के बाद इलाके में मातम छाया हुआ है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की शाम सुहानी पाणिकर, सुष्मिता बेपी, लक्ष्मी बेपी अपने घर के पास एक तालाब के किनारे से घर लिपने के लिए मिट्टी लाने गई थी। इसी दौरान तीनों दुर्घटनावस तालाब में गिर गई। जिसकी वजह से तीनों की डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने तीनों बच्चों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

असम राज्य स्तरीय आशाकर्मी यूनियन की द्वितीय सम्मेलन का आयोजन

होजाई (निसं)। एआईटियूसी (एआईटीयूसी) स्वीकृत प्राप्त संगठन असम राज्यीक आशाकर्मी यूनियन की द्वितीय राज्यीक सम्मेलन का आयोजन आज एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के तहत होजाई जिले के शंकरदनगर स्थित डॉ. भूपेन हजारिका सभागार में आयोजित हुआ। असम राज्यीक आशाकर्मी यूनियन की समानेत्री माया दास ने ध्वज फहराया। वहीं साधारण सचिव मिनारा वेगम ने स्मृति तपर्ण किया। इसके पश्चात माया दास की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई जिसमें होजाई जिला के स्वास्थय संचालक डॉ. रनजू राजखोआ ने संबोधित करते हुए कहा कि आशाकर्मी रात दिन सेवाएं दे रही हैं व प्रशंसा की पात्र हैं। सभा में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे ए आई टि यूसी के राज्यीक अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक मुनीं महंत। उन्होंने अपने संबोधन में बीजेपी सरकार की जनविरोधी नीति की अलोचना की। उन्होंने कहा कि आशाकर्मी व स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों के साथ भाजपा सरकार अच्छा व्यवहार नहीं कर रही है। उन्होंने आगे कहा उक्त क्षेत्र से जुड़े सभी कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी की मर्यादा देते हुए उनकी धर्म 26 हजार रुपए देने की जोरदार मांग राखी। वही वरिष्ठ कानून विद तथा प्रवीण वामपंथी भारत तमोली फुकान ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की जन विरोधी नीति के विरुद्ध सभी श्रमिकों को एकत्रित होकर आवाज उठानी चाहिए। सभा में सभानेत्री माया दास, सचिव मिनारा बेगम, रमन दास, फनी दास सहीत अनेक जनों ने सभा में अपने विचार रखे। सबों ने एक स्वर से कहा कि आशाकर्मियों को सरकारी कर्मचारी की मर्यादा मिलनी चाहिए।

स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा इलाके में आज एक स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की वजह से इलाके में अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को मार्घेरिटा के इंडियन क्लब के सेंट मैरिज स्कूल की बस (एएस-23एसी-7599) अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पेड़ से टकरा गयी। जिसमें कई छात्र-छात्राओं को चोट लग गई। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के समय बस में लगभग 50 छात्र-छात्राएं सवार थीं। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायल विद्यार्थियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया तथा मामले की जांच आरंभ की। हालांकि, विद्यार्थियों को कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

मानस राष्ट्रीय उद्यान में मनाया गया विश्व पर्यटन दिवस

प्रमोद बोड़ो ने इको-टूरिज्म पहल के विस्तार के लिए प्रतिबद्धता दोहराई

विकसित भारत समाचार

मानस। विश्व पर्यटन दिवस के राज्य स्तरीय समारोह का थीम *पर्यटन और शांति* और इको-टूरिज्म सीजन के लिए मानस राष्ट्रीय उद्यान को फिर से खोलना असम के पर्यटन मंत्री जयंत मल्लाबरुवा और बीटीसी सीईएम प्रमोद बोड़ो द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन किया गया। असम पर्यटन द्वारा बोड़ोलैंड पर्यटन और वन विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में आर्थिक विकास और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने में सतत पर्यटन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री जयंत मल्लाबरुवा ने सामाजिक-आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। पर्यटन विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने का एक प्रमुख इंजन है। हमारी प्रतिबद्धता बुनियादी ढांचे को मजबूत करके और समग्र आगंतुक अनुभव को बढ़ाकर असम को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाना है। उन्होंने कहा कि मानस राष्ट्रीय उद्यान को फिर से खोलना असम की प्राकृतिक सुंदरता को दुनिया के सामने लाने की दिशा में एक कदम है, साथ ही स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना भी है। बीटीसी सीईएम प्रमोद बोड़ो ने इस भावना को दोहराया,

पर्यटन विकास पर बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया। बीटीआर में शांति लौटने के साथ, यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन रहा है। इको-टूरिज्म न केवल हमारी प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने में मदद करता है, बल्कि स्थानीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी आगे बढ़ाता है। हम लोगों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करते हुए सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए इको-टूरिज्म पहलों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बोड़ो ने कहा। मानस राष्ट्रीय उद्यान में विश्व पर्यटन दिवस के पालन ने पार्क की स्थायी पर्यटन के केंद्र के रूप में क्षमता पर प्रकाश डाला। प्रतीकात्मक इशारे में, मंत्री मल्लाबरुवा और बीटीसी प्रमुख बोड़ो ने राष्ट्रीय उद्यान में जीप सफारी और बेकी नदी पर राफ्टिंग अभियान का आनंद लिया, जो मानस के साहसिक पक्ष को दर्शाता है। पार्क के विविध वन्यजीव, सुंदर परिदृश्य और राफ्टिंग जैसे साहसिक खेलों से इस मौसम में पर्यटकों की एक बड़ी संख्या आकर्षित होने की उम्मीद है। इस संबंध में, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिताओं, सर्वश्रेष्ठ होमस्टे, सर्वश्रेष्ठ गाइड आदि के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। इससे पहले सुबह, मंत्री जयंत मल्लाह बरुवा और बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने संयुक्त रूप से मानस राष्ट्रीय उद्यान में पारंपरिक जुलूस और साइकिल रैली का उद्घाटन किया और ग्रीन बोड़ोलैंड मिशन के तहत गोद लिए गए गांव के एक हिस्से के रूप में बरंगाबारी गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बीटीआर सरकार प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों को मानस राष्ट्रीय उद्यान की सुंदरता का पता लगाने के लिए आमंत्रित करती है, जो एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है जो अपने जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। विश्व पर्यटन दिवस कार्यक्रम में बीटीसी के उप प्रमुख गोविंदो बसुमतारी, बीटीसी के कई ईएम जिनमें पर्यटन ईएम धर्म नारायण दास, एटीडीसी के अध्यक्ष रितुपर्णो बरुवा और असम सरकार और बीटीआर के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मुंबई : ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल के तत्वावधान में जियो वर्ल्ड कंवेशनल सेंटर में प्रदर्शनी के दौरान आयोजित जीजेएस नाइट कार्यक्रम में जीजेसी के चेयरमैन संयम मेहरा मानिक चंद एंड संस (जे) प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक किशन कुमार सोनी को आइकन ऑफ द ज्वैलरी इंडस्ट्री 2024 अवार्ड से सम्मानित करते हुए।

कोकराझाड़ में राज्सस्तरीय जनकल्याणकारी परिषद का आम सभा सफलपूर्वक संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। आरजेपी राष्ट्रीय जनकल्याणकारी परिषद के असम राजिक समिति का साधारण सभा आज सुबह 11.00 बजे से कोकराझाड़ के साइंस कॉलेज के नीलकमल एडोटोरियम हाल में आयोजन किया गया। इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बीटीआर के कार्यकारी सदस्य अरूप कुमार दे उपस्थित थे। साथ ही राष्ट्रीय जनकल्याणकारी परिषद के राजिक अध्यक्ष सांतनु घोस उपस्थित थे। साथ ही राजिक उपाअध्यक्ष पिचुस सरकार, प्रदीप नाग, अमिताब साहा सहित कोकराझाड़, बारपेटा, चिरांग बंगाईगांव, धुबड़ी जिले का अध्यक्ष ओर सचिव उपस्थित थे। इस सभा में सैकड़ों की संख्या में आर जे पी के सदस्य और सचिव उपस्थित थे। यहं संगठन के दिस में चर्चा किया गया। यहां भाषण रखते हुए बीटीआर के कार्यकारी सदस्य अरूप कुमार दे ने कहा की राष्ट्रीय जनकल्याणकारी परिषद जो की राष्ट्रीय हित में काम कर रहा है यह संगठन गैर राजनीतिक दल है संगठन को और काम करने की जरूरत है। यह संगठन राष्ट्रीय जनकल्याणकारी परिषद के राजिक अध्यक्ष सांतनु घोस के नेतृत्व में बढ़िया काम कर रहा है।

कसुतली में फिर 192 घरों को तोड़ा गया

गुवाहाटी (हिंस)। संदिग्ध नागरिकों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा पिछले कई दिनों से राजधानी गुवाहाटी के सोनापुर राजस्व चक्र कार्यालय अंतर्गत कसुतली और सोनापुर पथार इलाके में अभियान चलाया जा रहा था। अभियान के दौरान एक और जहां एक सैकड़ों घरों को तोड़ा गया, वहीं अवैध रूप से जमीन कब्जा कर खेती की जा रही जमीनों पर भी जिला प्रशासन द्वारा ट्रैक्टर चला दिया था। शुक्रवार की सुबह सोनापुर के कसुतली के सरकारी भूमि, संरक्षित चारागाह, जनजातियों के लिए संरक्षित भूमि पर अतिक्रमा हटाओ अभियान चलाने के लिए पुलिस की एक बड़ी टीम अर्द्धसैनिक बलों के साथ पहुंची। तीसरे चरण के चौथे दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जहां 192 घरों को जिला प्रशासन द्वारा जेसीबी लगाकर तोड़ा गया। वहीं 130 बीघा 1 कट्ठा 4 लेसा जमीन भी खाली कराया गया।

विश्वनाथ राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति का आठवां स्थापना दिवस

विश्वनाथ (विभास)। असम राज्य में हिंदी भाषा व साहित्य के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाने वाले स्वैच्छिक हिंदी संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने संस्थान के सभागार में कल अपना आठवां स्थापना दिवस व हिंदी दिवस समारोह धूमधाम से मनाया। इस मौके पर *बहुभाषिक कवि सम्मेलन* तथा *सधारण सभा* का भी आयोजन किया गया। संस्थान के सचिव संतोष कुमार महतो द्वारा संचालित सभा में संस्थान के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने सभा के अध्यक्ष का आसन ग्रहण किया। साथ ही मुख्य अतिथि डॉ. अनुशब्द, वरिष्ठ सहायक आचार्य, तेजपुर विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि हरि लुइटेल (उपाध्याय), वरिष्ठ साहित्यकार, विश्वनाथ और संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्यनारायण पांडेय मंचासीन हुए। अतिथियों के करकमलों से मां शारदा के समीप दीप प्रज्वलित किया गया और सूर्यनारायण पांडेय जी द्वारा मांगलिक मंत्रोच्चारण से समारोह का शुभारंभ हुआ। इसके बाद अतिथियों को फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा के उद्देश्य की व्याख्या करते हुए संस्थान के आठवें स्थापना दिवस की सभी उपस्थित हिंदी प्रेमियों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि आज हमारा संस्थान आठवां स्थापना दिवस मनाने के साथ नौवें वर्ष में कदम रख रहा है। हमारे लिए यह गौरव और गर्व का विषय है कि संस्थान ने पिछले आठ वर्षों में बहुत ही गौरवशाली उपलब्धियां अर्जित की हैं और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। आज यह आयोजन इन्हीं कामयाबियों का जश्न मनाने के लिए तथा भविष्य में और बेहतर करने के लिए चर्चा हेतु किया गया है। साथ ही हिंदी दिवस समारोह का भी पालन करना भी आज के आयोजन का उद्देश्य है। विद्यार्थी प्रदीप पराजुली के साथ कार्यकरी अध्यक्ष सूर्यनारायण पांडे ने गर्मजोशी के साथ स्वागत भाषण दी। इसी क्रम में

कवयित्री सैयदा आनोवारा खातून के नेतृत्व तथा शिक्षिका धरित्री राय बरुवा, प्रदीप पराजुली, रोशनी कुमारी के सहयोग में स्वागत गीत प्रस्तुति हुई। रत्न परीक्षा के विद्यार्थी नेहा कुमारी राय ने *भारत की राष्ट्रभाषा और अन्य भाषाओं पर उसका प्रभाव* पर सारगर्भित व्याख्यान दी। सचिव महतो ने समारोह में हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर प्रकाशित माननीय गृहमंत्री अमित शाह जी का संदेश का पाठ किया। इस मौके पर विशेष सम्मान प्रदान किया गया। जिसमें सर्वप्रथम अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, कार्यकरी अध्यक्ष सूर्यनारायण पांडे को संस्थान के तरफ संस्थान के उपलब्धियां (स्मृतियां) से संजोए हुए साझा तस्वीर के फोटोफ्रेम से विशेष सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. अनुशब्द, विशिष्ट अतिथि हरि लुइटेल (उपाध्याय) को विशेष फोटोफ्रेम के साथ माननीय गृहमंत्री के हिंदी दिवस 2024 के संदेश, राजभाषा हीरक जयंती विशेषांक और राज्यिक प्रतीक जापी से सम्मानित किया। इस विशेष मौके पर बहुभाषिक कवि सम्मेलन में कवयित्री सैयदा आनोवारा खातुन, चित्रप्रसाद पौडेल, नागेश कुमार गुप्ता, नेहा कुमारी राय, रोशनी कुमारी, वंदना दास, कल्पना पाल, धरित्री राय बरुवा आदि ने अपनी कविता की प्रस्तुति से चार-चांद लगा दी। सभी कवियों को फुलाम गामोछा तथा सहभागिता प्रमाण पत्र से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अनुशब्द ने सबसे पहले तो उपस्थित हिंदी सेवियों एवं प्रेमियों को संस्थान के आठवें स्थापना दिवस और हिंदी दिवस के हीरक जयंती वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि असम में हिंदी का लोकवृत्त लगातार व्यापक एवं समृद्ध हो रहा है।

संपादकीय

विकास के झगड़े

पर्यटन के लिए जमीन तलाश रहा हिमाचल, 'विकास के झगड़ों' को मोल भी ले रहा है। जमीन की अमानत पर पहले ही वन विभाग का कब्जा है, जबकि अब उस सार्वजनिक भूमि पर नगर है जो वन संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षम अधिनियम के अमल में लाने से पूर्व ही, विशेष उद्देश्य के लिए चिन्हित की गई थी। इस स्थिति में कुछ विभागों के उद्देश्य की लागत पर नए संस्थान बने हैं। एम्स बिलासपुर की नींव के नीचे पशुपालन विभाग की जमीन दबी है। इसी तरह कृषि विभाग के कई प्रदर्शनी खेत अब नई इमारतों की खेप में बदल रहे हैं। जमीन की जरूरतें बदल गईं और बदल गया विकास का तमाशा। यह इसलिए भी कि जब स्कूलों की छतों पर कालेज चढ़ गए या सियासी आधिपत्य से नए कार्यालय संवर गए, तो जमीन की लागत में मूल उद्देश्य कौड़ी के भाव बिक गया। पालमपुर में कृषि विश्वविद्यालय की जमीन जब व्यर्थ दिखाई दी, अनुसंधान अप्रासंगिक माना गया, तो एक भूखंड के मानिंद इसके टुकड़े-टुकड़े होते चले गए, लेकिन अदालती हस्तक्षेप ने विकास के काफिले को 'पर्यटन गांव' में बसने नहीं दिया। माननीय उच्च न्यायालय ने कृषि विश्वविद्यालय की 112 हेक्टेयर भूमि को पर्यटन के नाम करने की कोशिश को उपयुक्त या सही नहीं ठहराया। जाहिर तौर पर इस फैसले के कई आयाम हैं और अगर इसी की रोशनी में भू-आबंटन की शर्तें फिर से लिखी जाएं, तो पहले से आबंटित कई विभागों की जमीन मूल उद्देश्य के लिए बच जाएगी। असली मसला सार्वजनिक जमीन की उपलब्धता का है और जहां अपना खम ठोंक कर वन विभाग खड़ा है। हिमाचल को अपने आर्थिक व आत्मनिर्भरता के लक्ष्य पूरे करने हैं, तो जमीन की उपलब्धता बढ़ानी होगी। पालमपुर में ही पर्यटन गांव के लिए 112 हेक्टेयर जमीन अगर एकमुश्त चाहिए, तो इसे हासिल करने के लिए जंगल के पेड़ हिलाने पड़ेंगे। मलां से बैजनाथ के बीच ऐसे कई समतल टीले व प्राकृतिक दृश्यावलियां हैं, जहां टूरिस्ट विलेज का अवतार जन्म ले सकता है, लेकिन हर जगह वन विभाग की चोंच लड़ी हुई है। हमारे संकल्प और विकास की जरूरतों के लिए या तो लैंड बैंक बनाने की निरंतर प्रक्रिया व वन भूमि के इस्तेमाल की माकूल अनापत्तियां हासिल होनी चाहिएं या सरकारों को अपनी क्षमता से प्रयास करने चाहिएं। निजी जमीनों की पूलिंग, बंजर बन गए चाय बागीचों के अधिग्रहण, सार्वजनिक भूमि की फिजूलखर्ची पर अंकुश लगा कर, अतिक्रमित भूमि को हासिल करके तथा नालों का चैनलाइजेशन करके अतिरिक्त भूमि का सृजन करना चाहिए। प्रदेश को ऊना जैसे जिला में एक बड़ा उपग्रह नगर बसा कर हिमाचल के आवासीय दबाव को कम करना होगा। पहाड़ी राज्यों को भूस्खलन, बाढ़ तथा भारी बरसात से बचाने या पर्यावरण की घंटियां बजाने के नाम पर सत्तर फीसदी जमीन जंगल के तहत कर देने से आर्थिक विकास की संभावना क्षीण हो रही है। पंजाब-हरियाणा अगर पांच प्रतिशत से कम जंगल उगाकर 95 फीसदी जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो हिमाचल को वर्तमान में तीस फीसदी के बजाय पचास प्रतिशत भूमि तक गैर वन भूमि का आबंटन होना चाहिए। इस तरह मिलने वाली अतिरिक्त बीस फीसदी जमीन पर पर्यटक गांव ही नहीं, नए शहर, औद्योगिक बस्तियां, ट्रांसपोर्ट नगर, निवेश केंद्र तथा भविष्य के रोजगार के समाधान मिल जाएंगे, वरना विकास की जरूरतों का न तो ठोस समाधान मिलेगा और न ही समन्वित-संतुलित विकास हो पाएगा।

> जमीन की अमानत पर पहले ही वन विभाग का कब्जा है, जबकि अब उस सार्वजनिक भूमि पर नगर है जो वन संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षम अधिनियम के अमल में लाने से पूर्व ही, विशेष उद्देश्य के लिए चिन्हित की गई थी। इस स्थिति में कुछ विभागों के उद्देश्य की लागत पर नए संस्थान बने हैं। एम्स बिलासपुर की नींव के नीचे पशुपालन विभाग की जमीन दबी है। इसी तरह कृषि विभाग के कई प्रदर्शनी खेत अब नई इमारतों की खेप में बदल रहे हैं। जमीन की जरूरतें बदल गईं और बदल गया विकास का तमाशा। यह इसलिए भी कि जब स्कूलों की छतों पर कालेज चढ़ गए या सियासी आधिपत्य से नए कार्यालय संवर गए, तो जमीन की लागत में मूल उद्देश्य कौड़ी के भाव बिक गया। पालमपुर में कृषि विश्वविद्यालय की जमीन जब व्यर्थ दिखाई दी, अनुसंधान अप्रासंगिक माना गया, तो एक भूखंड के मानिंद इसके टुकड़े-टुकड़े होते चले गए, लेकिन अदालती हस्तक्षेप ने विकास के काफिले को 'पर्यटन गांव' में बसने नहीं दिया। माननीय उच्च न्यायालय ने कृषि विश्वविद्यालय की 112 हेक्टेयर भूमि को पर्यटन के नाम करने की कोशिश को उपयुक्त या सही नहीं ठहराया।

"एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

प्रहलाद सबनानी

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इनस्टिटयूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। "एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर "क्वाड" के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के

चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है।

> वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36 .3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2 .8 अंक से बढ़कर 39 .1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है।

दृष्टि कोण

कश्मीर में चुनाव और सैयदों-शेखों की चिंता

जम्मू कश्मीर में दस साल बाद वहां की विधानसभा के लिए हो रहे चुनावों में दूसरे चरण का मतदान भी समाप्त हो गया है। विधानसभा के लिए हो रहे चुनावों से कुछ महीने पहले ही लोकसभा के चुनावों में ही जम्मू कश्मीर में हुए परिवर्तन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। कश्मीर संभाग से पूर्व मुख्यमंत्री पीडीपी की सैयदा महबूबा मुफ्ती और एनसी के उमर अब्दुल्ला दोनों ही बुरी तरह पराजित हुए। बारामूला में उमर अब्दुल्ला को जिस शख्स ने हराया वह जेल में बंद था। एक जमाना था जब अब्दुल्ला परिवार और सैयद परिवार कश्मीर को अपनी मु_ी में समझ कर चलता था। धीरे-धीरे जब कश्मीर के अवाम ने इन दोनों परिवारों की मु_ी में दम घुटता देख कर वहां से बाहर निकलने की कोशिश की तो कश्मीर में एक नया प्रयोग हुआ। मु_ी खोल कर अवाम को तो खुला छोड़ दो, लेकिन इसको मतदान केन्द्र तक न आने दो, इसी रणनीति के तहत चुनाव के बायकॉट के इवेंट मैनेजमैंट किए जाते थे। कश्मीर में एक जुमला चल पड़ा था कि देश के बाकी हिस्सों में प्रत्याशी इसलिए पैसा खर्चते हैं ताकि मतदाता को मतदान केन्द्र तक लाया जा सके, लेकिन कश्मीर में राजनीतिक दल इसलिए पैसा लुटाते हैं कि किसी भी तरह मतदाताओं को चुनाव केन्द्र तक आने से रोका जा सके। जो पैसा चुनाव प्रचार में लगना चाहिए था, वह आतंकवादियों को दे दिया जाता था। आतंकवादी चुनाव के बायकॉट की मुनादी करवा देते थे। भय पैदा करने के लिए पांच-छह लोगों को यमपुरी पहुंचा भी देते थे। बायकॉट के उस मौसम में कुछ चुनींदे मतदाताओं की कुछ हजार या सौ वोटों को लेकर ही कुछ चुनींदे लोग विधानसभा और लोकसभा में पहुंच कर स्वयं को सभी कश्मीरियों का प्रतिनिधि बता कर अजीब अजीब आवाजें निकालते थे। लेकिन अब वे दिन हवा हुए जब खलील खां फाख्ता उड़ाया करते थे। इसकी शुरुआत तो जम्मू कश्मीर में दशकों से अटके स्थानीय निकायों के चुनावों से ही हो गई थी जब इन दोनों परिवारों की इजारेदारी को तोड़ कर गांव गांव से युवा पीढ़ी का नया नेतृत्व आकार ग्रहण

करने लगा था। लोकसभा के चुनावों में तो फाख्ताओं ने खलील खांओं को ही हवा में उड़ा दिया। उसका असर इतना गहरा हुआ कि महबूबा मुफ्ती तो विधानसभा चुनाव से पहले ही चुनाव के मैदान से बाहर हो गईं। उमर अब्दुल्ला गांदरबल में अपनी टोपी उतार कर मतदाताओं के सामने गिड़गिड़ाने लगे कि अब्दुल्ला परिवार की इज्जत का सवाल है। लेकिन लोगों के मनोविज्ञान को भांपते हुए बडगाम से भी पेपर दाखिल कर आए। यदि गांदरबल ने संकट की इस घड़ी में सहारा न दिया तो शायद बडगाम वाले रक्षा करें। अब्दुल्ला परिवार को ये दिन भी देखने थे। लेकिन ये हालात बदले कैसे? अनुच्छेद 370 हटने के कारण, कांग्रेस व अब्दुल्ला परिवार द्वारा अपने भविष्य को देखते हुए जम्मू कश्मीर की घेराबंदी समाप्त हो गई। केन्द्र सरकार की नीति बदलने के कारण आतंकवादियों को मिल रहा राजनीतिक संरक्षण समाप्त हो गया। आम मतदाता को लगा कि वह भी अब बिना डर के मतदान कर सकता है और अपनी इच्छा के प्रत्याशी को चुन सकता है। आतंकवादी भी समझ गए कि वे अलगाववाद के नाम पर देश-विदेश से करोड़ों रुपए एकत्रित करके जो आलीशान जिंदगी जी रहे थे, अब उस पैसे का सरकार हिसाब मांग रही है और जब हिसाब मिल नहीं पाता तो बंदूक के बल पर बनाई सम्पत्ति को सरकार जब्त कर रही है। इसलिए आतंकवाद की आड़ में रातों रात करोड़पति बनने का शार्टकट अब न तो लाभकारी रहा है और न ही बिना खतरे वाला। इसलिए लोग बहुत बड़ी संख्या में मतदान केन्द्र पर पहुंचने के रास्ते को परखने के लिए निकले। अब्दुल्ला परिवार और सैयद परिवार दोनों समझते हैं कि लोगों के मतदान केन्द्र पर पहुंचने का अर्थ है, इन दोनों परिवारों का भविष्य खतरे में। इसलिए ये परिवार दूसरे चरण में बडगाम जिला में हुए 61.35 प्रतिशत और गांदरबल जिला में हुए 62.63 प्रतिशत मतदान से चिंतित हैं। कुल मिला कर जम्मू कश्मीर में, खासकर राजौरी, पुंछ जिला में हुए भारी मतदान से सैयद और शेख चिंतित हैं। उमर अब्दुल्ला की परेशानी साफ दिखाई दे रही है। उसे लगता है कि यदि जम्मू एकजुट हो गया और कश्मीरियों ने सैयदों और शेखों को नकार कर आम देसी कश्मीरियों को, जिनके नाम के आगे नहीं बल्कि नाम के पीछे शेख लगा हुआ है, चुन लिया तो सत्तर साल से जमा हुआ आसन हिल जाएगा। यही कारण है कि उमर अब्दुल्ला, राहुल गांधी को सख्ती से बता रहे हैं कि कश्मीर घाटी में आकर चुनाव प्रचार में वक्त बर्बाद करने की जरूरत नहीं है। यहां आपके लिए कुछ नहीं रखा। जम्मू में जाकर पूरा जोर लगाओ। यदि वहां जम्मू वालों में फूट डलवा सके तो हमारे हाथों में सत्ता आने की सम्भावना हो सकती है और उसमें आपको भी कुछ न कुछ हिस्सा मिल ही सकता है।

कुछ अलग

गंगाधर जी मौन हो गए...

गंगाधर जी का आने का मतलब किसी राष्ट्रीय या स्थानीय समस्या से परेशान होकर उस पर अपनी ओर से पूरा प्रकाश डालना और इसके बाद चाय पीकर रफूचक्कर हो जाना। कल भी वे गंभीर मुद्रा में मेरे यहां आए और बोले-'शर्मा, तुम्हें याद होगा मैं पिछली बार आया तब तुम से क्या कहा था? अच्छी तरह याद करके बताओ।' मैं हक्का-बक्का रह गया कि गंगाधर जी ने क्या कहा था। वे आते हैं तो कुछ न कुछ कहते ही रहते हैं। मैं अचकचाकर बोला-'निश्चित रूप से आपने कोई अच्छी ही बात कही होगी।' गंगाधर जी बोले-'अरे भले आदमी भूल गए। मैंने कहा था पुलिस का भरोसा उठ गया है और जनता जान गई है कि पुलिस पैसा खाती है। अभी परसों ही पुलिस का एक आला अधिकारी रिश्वत के मामले में पकड़ा गया है। सभी थानों से उगाही करवाता था तथा पैसा इक_ा करता था। बदले में अपने अधीनस्थ थानों को मनमानी करने की छूट देता था। अब बताओ पुलिस जा-बेजा में क्या तो फर्क करेगी और उससे न्याय की आशा कितनी की जा सकती है। तुम्हें यह भी याद होगा कि तुने मेरी इस बात पर यह कहा था कि पुलिस रिश्वत नहीं खाती तथा जनता को सुरक्षा प्रदान करती है। अब तुम्हारा क्या कहना है?' मैं बगलें झांकने लगा, शर्मिंदा सा बोला-'गंगाधर जी मैं अपने शब्द वापस लेता हूं तथा आपकी बात से सहमति व्यक्त करता हूं। एसपी स्तर का अधिकारी थानों से उगाही करवाता था और घर भरता था। थाने पैसा कहां से लाएंगे, वे पीड़ित जनता से लूटेंगे। इस देश का तो सर बंटाढार हो गया। जिसको न्योतो वही तेल लेने चला जाता है।' 'भाई शर्मा, अन्ना यों ही नहीं चिल्ला रहा था। उसकी भ्रष्टाचार मिटाने की रट सही है। जब तक भ्रष्टाचार नहीं मिटेगा तब तक आम आदमी को सुख नहीं मिल सकता। यार शर्मा, हद ही हो गई साला नौकरशाह देख लो, पुलिस देख लो, नेता-मंत्री देख लो, सब लूटने में लगे हैं देश को।' गंगाधर जी बोले तो मैंने कहा-'इस देश का क्या होगा सर? मेरी समझ में तो कुछ भी नहीं आ रहा।' वे बोले-'होगा क्या, गरीब भूखों मरेगा तथा चंद लोग मौज मारेंगे। ये सरकारें जो नयी-नयी योजनाएं जनहित के लिए बना रही हैं, सब दिखावा भर है। सब हड़पने की कलाबाजियां हैं। पुलिस का चेहरा देख ही लिया। रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। यह मजाक में टालने वाली बात नहीं है। बड़ी गंभीर बात है। नौकरशाही की अंधेरगर्दी देखो, ऐसे भ्रष्टाचारी को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने की संस्तुति और की जा रही थी। यह गणतंत्र को नीचा दिखाने का खेल और मजाक कब तक चलेगा?' गंगाधर जी ने ऐसा सवाल धर दिया कि मेरी बोलती बंद थी। दरअसल अपने दफ्तर में काम कराने की छोटी-मोटी रिश्वत मैं भी खाता हूं। इसलिए खामोश रहा। तभी पत्नी ने समझदारी से काम लिया और वह दो कप चाय के ले आई। चाय आते ही मैंने कहा-'आप तो चाय लीजिये सर। इस देश का तो कूंडा हो गया। हर आदमी मूंडने लगा है।' मैंने पत्नी को देखकर कहा-'चाय में अदरक डाली या नहीं, और ऐसा करो थोड़ी चाय के साथ नमकीन ले आओ आलू वाली, गंगाधर जी उसके शौकीन हैं।' गंगाधर जी बोले-'बात तो सही की शर्मा। आलू वाली का जवाब नहीं। थोड़ी महंगी जरूर है, लेकिन स्वाद के क्या कहने?' गंगाधर जी को मैंने जो चाय-नाश्ते की रिश्वत खिलाई, वे उसमें मशगूल हो गए। सारा देशप्रेम पल भर में हवा हो गया। भ्रष्टाचार की बातें पता नहीं कहां गईं? अन्ना के आदर्श उड़ गए। पुलिस के नंगे नाच पर भी उनका प्रवचन बंद हो गया। मैंने राहत की सांस ली। गंगाधर जी मसाला साफ कर रवाना हो गए।

देश दुनीया से

करो योग, रहो निरोग

> प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास तो हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। हमारा पैदल चलना अब बहुत कम हो गया है। रक्त वाहन करने वाली शिराओं के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उन्हें ठीक रख सके। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख-सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। लोगों का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार-बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है।

आज भागती दौड़ती दिनचर्या में समय का बहुत अभाव है। ऐसे में हमारे शरीर की फिटनेस के लिए योग जैसा कार्यक्रम चाहिए जो कम समय में बिना कोई धन खर्च किए आसानी से उपलब्ध हो। प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास तो हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। हमारा पैदल चलना अब बहुत कम हो गया है। रक्त वाहन करने वाली शिराओं के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उन्हें ठीक रख सके। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख-सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। लोगों का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार-बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है । ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं, उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कर्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि को भी इसी में शामिल किया जाता है।

आप का नजरीया

इस्लाम-यहूदी जंग के मायने

लेबनान और इजरायल के बीच जो युद्ध जारी है, वह सिर्फ इस्लामी अतिवाद और बहुसंख्यक आबादी के लिए है। लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हूती, गाजा में हमास के अवशेष, सीरिया और इराक के आतंकवादी और उनके संरक्षक के तौर पर ईरान इस युद्ध में मौजूद हैं। बेशक लड़ाई इजरायल और हिजबुल्लाह तथा हमास के बीच लगती है, लेकिन ये सभी देश यहूदी देश के तौर पर इजरायल का अस्तित्व ही मिटा देना चाहते हैं। यह इजरायल की रणनीति और खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के मद्देनजर फिलहाल संभव नहीं लगता। इजरायल के साथ अमरीका और कुछ यूरोपीय देशों का समर्थन भी है, हथियारों की आपूर्ति भी है और इजरायल की अपनी मोर्चेबंदी भी है। यह लड़ाई पश्चिम एशिया अथवा इन देशों तक ही सीमित रहने वाली नहीं है। लेबनान की छवि कभी आतंकी देश वाली नहीं थी और न ही हिजबुल्लाह की निरंकुश हुकूमत थी। लेबनान को मध्य-पूर्व का 'स्विट्जरलैंड' मानते थे और राजधानी बेरुत को 'पेरिस' कहा जाता था। 1943 में वहां करीब 55 फीसदी आबादी ईसाइयों की थी। फ्रांस ने लेबनान को आजाद किया, तो वहां होटल, क्लब, नाइट लाइफ, बीच और फैशन आदि पाश्चात्य संस्कृति के प्रतीक थे। दुनिया के बड़े अमीरजादे वहां घूमने और खुद को शांत करने आते थे। लेबनान सैलानियों का गढ़ था, लेकिन 1975 तक आते-आते वहां गृहयुद्ध छिडने लगे। ईसाई अल्पसंख्यक होते गए। सुन्नी और शिया बहुसंख्यक हो गए। ईरान शिया देशों का एक गठजोड़ बनाकर अपनी ताकत को एकीकृत करना चाहता था। उस गठजोड़ में इराक, सीरिया, लेबनान आदि देश भी शामिल किए गए। अंततः उसी दौर में हिजबुल्लाह का उदय हुआ। उसका परोक्ष संचालक ईरान है। ईरान ही उसे हथियार और पैसा मुहैया कराता रहा है। हिजबुल्लाह के बड़े कमांडर ईरान में ही मौजूद हैं। इजरायल ने ईरान में ही हमास के मुखिया को विस्फोट में मार दिया था। ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और हथियारों को 'कवर' देने में भी आतंकियों की मदद ली है। आज इजरायल के हवाई हमलों और उससे पहले पेजर, वॉकी-टॉकी धमाकों के बाद लेबनान में कई जगह मातम का सन्नाटा है। सिर्फ आग की लपटें या खंडहर दिखाई दे रहे हैं। लोग विस्थापित हो रहे हैं, क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने उन्हें घर, शहर छोड़ कर सुरक्षित जगहों पर चले जाने की चेतावनी दी थी। ताजा हमलों में करीब 600 मौतें हो चुकी हैं और 2000 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। इजरायल ने हिजबुल्लाह के 6000 से अधिक ठिकाने तबाह कर दिए हैं। करीब 25 शीर्ष कमांडरों की हत्या की जा चुकी है। जिन लॉन्चिंग पैड से मिसाइल, रॉकेट दागे जाने थे, उनमें से ज्यादातर को 'मिट्टी' और 'मलबा' बना दिया गया है। हिजबुल्लाह ने खुद कबूल किया है कि उसके 1600 से अधिक लड़ाके पेजर, वॉकी-ट

केंद्रीय मंत्री गिरिराज को पाकिस्तान से आया जान से मारने की धमकी भरा कॉल

पटना (हिंस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। गिरिराज के प्रतिनिधि रहे अमरेंद्र कुमार अमर के मोबाइल पर शुक्रवार को आई कॉल पर यह धमकी दी गई है। इसे लेकर बेगूसराय में लिखित शिकायत दर्ज करायी गई है। अमरेंद्र कुमार अमर ने शिकायती आवेदन में कहा है कि उनको पाकिस्तान के नंबर से कॉल करके गिरिराज सिंह को जान से मारने की धमकी दी गई है। यह कॉल उनके मोबाइल पर शुक्रवार पूर्वाह्न 11:28 बजे आया। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय के डीएम और एसपी से इसकी लिखित शिकायत की है। अमर ने कहा है कि पाकिस्तान के नंबर से कॉल करके केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और मुझे गालियां दी गईं। साथ ही फोन करने वाले ने कहा कि तुम दोनों का हश्र बुरा होगा। अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। इसमें गिरिराज सिंह को जान से मारने की बात कही गई है।

हरियाणा के सभी अग्निवीरों को देंगे पेंशन वाली पक्की सरकारी नौकरी : अमित शाह

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को रेवाड़ी में आयोजित जन आशीर्वाद रैली में कहा कि हरियाणा की धरती त्याग, बलिदान, शौर्य, ज्ञान, आध्यात्म और गीता की धरती है। अगर आज देश की सीमाएं सुरक्षित हैं तो इसमें हरियाणा की माताओं का अहम योगदान है, यह माताएं हरियाणा के हर दसवां सैनिक सेना में सेवा करने के लिए भेजती हैं। शाह ने हरियाणा के सभी अग्निवीरों को पेंशन वाली पक्की सरकारी नौकरी देने का वादा किया। विशाल जनसभा में अमित शाह ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष ने 2014 के लोकसभा चुनाव के प्रचार की शुरुआत हरियाणा से ही की थी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी से लेकर सोनिया गांधी तक कांग्रेस सरकार ने 40 सालों तक हरियाणा के सैनिकों की वन रैंक वन पेंशन की मांग को पूरा नहीं किया, लेकिन प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने 2015 में वन रैंक वन पेंशन की मांग को पूरा कर दिया। कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा सेना का अपमान ही किया है। कांग्रेस पार्टी ही सेना अध्यक्ष को गुंडा कहने का दुस्साहस कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आजकल यह भ्रांति फैला रही है कि अग्निवीर बनकर सेना से वापस आए बच्चों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाएगा, लेकिन आज मैं वादा करके जाता हूं कि हरियाणा में हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी दी जाएगी। भारत सरकार और हरियाणा सरकार मिलकर हरियाणा के सभी अग्निवीरों को पक्की पेंशन वाली सरकारी नौकरी देगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी अफवाहें फैलाने के अलावा और कोई काम नहीं करते हैं। हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी तब मात्र मुख्यमंत्री के गृह जिले का ही विकास होता था और भ्रष्टाचार व गुंडागर्दी बढ़ जाती थी, लेकिन भाजपा की सरकार बनते ही पूरे हरियाणा का समग्र विकास हुआ और भ्रष्टाचार का अंत हो गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार कट कमीशन और करप्शन से चलती थी, जहां डीलर, दलाल और दामादों का राज चलता था, लेकिन भाजपा की सरकार ने भ्रष्टाचार करने वाले डीलरों, दलालों और कांग्रेसी दामादों को समाप्त कर दिया। भाजपा ने हरियाणा को भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का वादा निभाया है। राहुल गांधी पर तंज करते हुए अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार एमएसपी का जिक्र करते रहते हैं, लेकिन उन्हें उसका फुल फॉर्म भी मालूम नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हरियाणा में 24 फसलें एमएसपी पर खरीद रही है, कांग्रेस यह बताएं कि वह अपनी सरकार वाले किन राज्यों में फसलें एमएसपी पर खरीद रही है? एमएसपी की कीमतें बढ़ाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय हरियाणा में धान का दाम 1310 रुपए था, जो अब भाजपा सरकार में बढ़कर 2300 रुपए हो गया है। इसी प्रकार बाजरे की एमएसपी 1250 से बढ़कर 2600 रुपए हो गई है, गेहूं और सरसों की भी एसपी बढ़ाई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर धान की एमएसपी को और बढ़ाकर 3100 रुपए तक कर दिया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के कश्मीर में दिए बयान पर हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी कश्मीर में कह कर आए हैं कि वे अनुच्छेद 370 को वापस ले आएंगे, लेकिन राहुल क्या उनकी तीसरी पीढ़ी भी अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकेगी। शाह ने कहा कि कश्मीर हमारा है और इस पर कोई आंख उठा कर भी नहीं देख सकता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वहां जाकर कहा कि वह सारे आतंकवादियों और पत्थर बाजों को जेल से छोड़ देंगे, उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो हरियाणा में आकर वही भाषण देकर दिखाएं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडोली ने कहा कि भाजपा ने सभी विधानसभाओं में समान रूप से विकास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प लिया है और वह जनता के वोट की ताकत से ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भर्ती रोको गैंग ने लगातार प्रयास किया कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार न मिले, इसी कारण 24 हजार युवाओं को रोजगार देने की राह में कांग्रेस ने अड़ंगा लगा दिया। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ने कहा कि रेवाड़ी दक्षिण हरियाणा की सबसे अहम सीट है और यहीं से दक्षिण हरियाणा की राजनीति चलती है। यह चुनाव कोई आम चुनाव नहीं, बल्कि हरियाणा के विकास का चुनाव है। बागी प्रत्याशियों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 में उन्होंने अपनी बेटी के लिए पार्टी से टिकट मांगा था, लेकिन टिकट न मिलने पर उन्होंने पार्टी के साथ विश्वासघात नहीं किया, ऐसे ही हर प्रत्याशी को टिकट से फर्क नहीं पड़ना चाहिए और पार्टी के हित के लिए काम करना चाहिए।

कांग्रेस सत्ता में आकर सभी गारंटियां करेगी पूरी : कुमारी सैलजा

सिरसा (हिंस)। कालांवाली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार शीशपाल केहरवाला को उस समय बेहद हौसला और उत्साह मिला जब पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा उनके लिए चुनाव प्रचार करने के लिए कालांवाली पहुंची। सैलजा के कालांवाली पहुंचने पर हलके के लोगों ने उनका खूब गर्मजोशी से स्वागत किया और हजारों की हाजरी ने इस बात का आश्वासन दिया कि कांग्रेस उम्मीदवार शीशपाल केहरवाला को हजारों मतों के अंतर से जिताकर भेजेंगे। कुमारी सैलजा ने कहा कि मुझे 1987-88 का चुनाव याद आ जाता है। गर्मी पड़ रही थी, मेरे पिताजी के जाने के बाद राजीव जी ने मुझे आपके बीच भेजा था। हमारे खिलाफ आंधी थी। आपने मुझे हरियाणा में सबसे ज्यादा मतों से जिताकर भेजा। तीन तीन पीढ़ियां बीत गई लेकिन आपका प्यार वैसे ही बना रहा। आपने अंबाला से मुझे वापस बुलाकर फिर इतनी बड़ी जीत दिलाई। कालांवाली ने 43 हजार मतों से जिताकर भेजा। काम खत्म नहीं हुआ है। अब हरियाणा की बारी है। हम सब आपके दरबार में खडे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि एक तो भगवान और वाहेगुरू के सामने हाथ जोड़े जाते हैं या फिर जनता के दरबार में जोड़े जाते हैं। मुझे जो मार्जिन देकर भेजा अब शीशपाल का मार्जिन 50 हजार होना चाहिए।

भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास अल नजाह के 5वें संस्करण का समापन

जयपुर (हिंस)। भारत-ओमान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास अल नजाह का 5वां संस्करण 26 सितंबर को समाप्त हुआ। ओमान के रबकूट प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित समापन समारोह में भारतीय राजदूत अमित नारंग और भारतीय रक्षा अताशे कैप्टन हरीश श्रीनिवासन उपस्थित थे। ओमान की ओर से 11वीं इंफैंट्री ब्रिगेड, ओमान रॉयल आर्मी के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अब्दुलकाधिम बिन इब्राहिम अल-अजमी और फ्रंटियर फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मसूद मुबारक अल-गफरी ने समापन समारोह में भाग लिया। पीआरओ (सैन्य) अमिताभ शर्मा ने बताया कि समापन समारोह से पहले भारतीय सेना और ओमान रॉयल आर्मी की सैन्य टुकड़ियों के द्वारा एक भव्य संयुक्त लाइव-फायर का प्रदर्शन किया गया, ताकि संयुक्त राष्ट्र शासनादेश के तहत शांति स्थापना अभियानों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न स्थितियों से निपटने के लिए दोनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और अंतरसंचालनीयता को प्रदर्शित किया जा सके। यह प्रदर्शन जिसमें दोनों देशों के करीब 60 सैनिकों ने भाग लिया, दो सप्ताह तक चलने वाले द्विपक्षीय अभ्यास का यह एक उपयुक्त निष्कर्ष था। प्रदर्शन में भारतीय और ओमानी सैनिकों की एक संयुक्त सेना द्वारा रेगिस्तानी इलाके में एक गांव को आइसोलेट करना और खाली करना, उसके बाद हाउस क्लीयरेंस का अभ्यास और बंधकों को छुड़ाना भी शामिल था। प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों के स्नाइपर्स ने लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधकर अपनी सटीक निशानेबाजी कौशल का भी प्रदर्शन किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण वास्तविक समय की निगरानी और बैलिस्टिक ढाल प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक भारतीय निर्मित उपकरणों का उपयोग था, जिनका उपयोग कमरे में हस्तक्षेप और बंधक सुरक्षा के लिए किया गया था।

नवरात्रि की तैयारियां जोरों पर
दुर्गा बाड़ी में बनाई जा रहीं है इको फ्रेंडली माता रानी की मूर्ति

जयपुर (हिंस)। बनीपार्क स्थित दुर्गाबाड़ी में नवरात्रि को देखते हुए इन दिनों मां दुर्गा की आराधना करके उन्हें प्रसन्न करने के लिए उत्साह का अलग ही माहौल देखने को मिल रहा है। दुर्गाबाड़ी में नवरात्रि में माता रानी के जागरण में भजनों की अलग ही रसगंगा बहेगी। श्रद्धालु माता रानी के समक्ष सुख समृद्धि, स्वास्थ्य और ऐश्वर्य का आशीर्वाद लेंगे। माता रानी की सामूहिक आराधना के लिए भव्य पंडाल की तैयारी जोरों पर है। कोलकाता से आए कारीगर अलौकिक प्रतिमा के साथ जुटे है भव्य पंडाल बनाने में मूर्ति बनाने वाले कोलकाता के कारीगर अमित दास ने बताया कि नवरात्रि में माता रानी की आराधना के लिए कोलकाता सहित अन्य राज्यों से आए कारीगर सामूहिक दुर्गा पूजा के लिए भव्य और अलौकिक प्रतिमा बनाने के साथ-साथ विशाल पंडाल भी तैयार करने में जुटे है। जो लगभग बन कर तैयार हो चुका है। इस पंडाल को तैयार करने में पचास कारीगरों ने अपना श्रमदान किया है। इसी के साथ पांच कारीगरों ने गंगा की मिट्टी से एक महीने में पांच प्रतिमाएं तैयार की है। जो इको फ्रेंडली मिट्टी के रंगों से मनाई गई है। जिसे पानी में विसर्जित करने पर पानी दूषित नहीं होता। मूर्ति बनाने में बांस का भी इस्तेमाल किया गया है। जो पानी के डालते ही मिट्टी से अलग हो जाएंगे और पानी में बह कर आगे निकल जाएंगे और मिट्टी पानी के सम्पर्क में आते ही नीचे सतह में बैठ जाएगी। ऐसे बनाई इको फ्रेंडली मूर्ति इको फ्रेंडली मूर्ति बनाने के लिए चॉक पाउडर, मिट्टी के रंग और फलों से बने नेचुरल रंगों का उपयोग किया गया है।

जनता का विश्वास, प्यार और आस्था ही उनके जीवन की प्रेरणा है : राज्यपाल बागडे

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का शुक्रवार को महाराष्ट्र स्थित छत्रपति संभाजी नगर में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें रामचंद्र मंदिर (मठ) बालाजी ट्रस्ट गाउण्ड पर अपार जनसमूह के मध्य आयोजित भव्य समारोह में *देवगिरी गौरव* सम्मान से विभूषित किया। बागड़े को महाराष्ट्र के विभिन्न भागों से आए लाखों की संख्या में उपस्थित समूह ने भाव—भरा अभिनंदन करते हुए उनके लिए स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए *अभिष्टचिंतन* किया। उन्हें प्रदत्त *देवगिरी गौरव* प्रशस्ति पत्र में उनके सार्वजनिक जीवन के अंतर्गत किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए उन्हें महाराष्ट्र के गौरव से अलंकृत किया गया। गडकरी ने इस अवसर पर कहा कि राज्यपाल बागड़े जमीन से जुड़े लोकप्रिय व्यक्तित्व हैं। कृषि, सहकारिता और विभिन्न अन्य विषयों में गहन दृष्टि के साथ सार्वजनिक जीवन में शुचिता के मूल्यों के साथ उन्होंने सदा आदर्शों की स्थापना की है। अन्य वक्ताओं ने भी उनके ओजपूर्ण व्यक्तित्व, राष्ट्रीयता के सरोकारों की चर्चा करते हुए उनके सार्वजनिक जीवन को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए उनका मन से अभिनंदन किया। राज्यपाल बागड़े

ने अपने जन-अभिनंदन और *देवगिरी गौरव* सम्मान से विभूषित किए जाने पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनके लिए सबसे बड़ी सौगात है। वह मां भारती के लिए आजीवन ऐसे ही प्रतिबद्ध होकर सेवाएं देते रहेंगें। उन्होंने भावुक होते हुए जनता को प्रणाम निवेदित किया तथा कहा कि यह विश्वास, प्यार और जन-जन की आस्था ही उनके जीवन की प्रेरणा है।

शाहपुरा जिला तोड़े जाने की अटकलों के बीच संत हुए मुखर

भीलवाड़ा (हिंस)। राजस्थान में कुछ जिलों को हटाने की अटकलों के बीच नवगठित शाहपुरा जिले को तोड़े जाने की संभावनाओं ने स्थानीय समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है। शाहपुरा के संत और रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने 69वें अवतरण दिवस के अवसर पर शाहपुरा को जिला बनाए रखने की पुरजोर पैरवी की। रामनिवास धाम, शाहपुरा में अवतरण दिवस समारोह में आचार्य ने कहा कि शाहपुरा सिर्फ एक प्रशासनिक इकाई नहीं है, बल्कि यह तपस्या की पवित्र धरती है, जिसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। उन्होंने कहा कि शाहपुरा को जिला बनाने के लिए यहां की जनता और संतों ने वर्षों तक इंतजार किया। यह हमारा अधिकार है, जिसे किसी भी सूरत में छीना नहीं जाना चाहिए। आचार्यश्री ने अपने संप्रदाय की गादी से जनता को संबोधित करते हुए कहा, शाहपुरा आजादी के आंदोलन में एक अग्रणी भूमिका निभाने वाला स्थान रहा है। यह वही भूमि है, जहां सबसे पहले देश में उत्तरदायी शासन की स्थापना की गई थी। आजादी के बाद रियासतों के विलनीकरण के समय शाहपुरा का जिला बनने का पहला हक था, लेकिन शाहपुरा को नजरअंदाज कर भीलवाड़ा को जिला बना दिया गया। अब जब शाहपुरा जिला बना है, इसे बनाए रखना हमारा हक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शाहपुरा के विकास और इसकी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने के लिए इसे जिला बनाना ही सही निर्णय है। आचार्यश्री ने कहा, यदि शाहपुरा को जिला से वंचित किया गया तो यह यहां के विकास को प्रभावित करेगा। आचार्यश्री ने इस मौके पर यहां के नेताओं, सांसद और विधायक से अपील की कि वे सभी मिलकर शाहपुरा को जिला बनाए रखने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा, शासन-प्रशासन से संवाद करना और राज्य व केंद्र सरकार तक इस बात को पहुंचाना आवश्यक है कि शाहपुरा को जिला बनाए रखना जनता की भावनाओं और उनकी आस्थाओं का सम्मान है।

अब 70 वर्ष से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा आयुष्मान जन आरोग्य योजना का लाभ

वाराणसी (हिंस)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ अब 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा। चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। शुक्रवार को यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने दी। उन्होंने बताया कि यह लाभ एबी पीएम-जेएवाई के तहत पहले से ही कवर किए गए परिवारों के 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध होंगे, साथ ही उन परिवारों को भी जो एबी पीएम-जेएवाई के तहत अब तक कवर नहीं किए गए हैं। सीएमओ ने बताया की योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए एकमात्र पात्रता मानदंड व्यक्ति की आयु 70 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। इसका निर्धारण आधार में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा। नामांकन के लिए आधार ही एकमात्र दस्तावेज होगा। मौजूदा और

नए दोनों परिवारों के पात्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड के नामांकन जारी करने के लिए आधार-आधारित ई-केवाईसी अनिवार्य होगा। एबी पीएम-जेएवाई के तहत पहले से ही कवर किए गए परिवारों में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रति वर्ष 5 लाख तक का अतिरिक्त साझा टॉप-अप कवर प्रदान किया जाएगा। कुल 5 लाख तक का यह टॉप-अप कवर वरिष्ठ नागरिकों के इलाज के लिए प्रदान किया जाएगा यदि अन्य सदस्यों ने मूल पारिवारिक वॉलेट का पूरा या आंशिक उपयोग किया है। इसके अलावा अगर वरिष्ठ नागरिक (70 वर्ष और उससे अधिक आयु के) 5 लाख के मूल पारिवारिक वॉलेट का पूरा या आंशिक उपयोग करते हैं, तो परिवार के अन्य सदस्यों को 5 लाख तक का टॉप-अप कवर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एबी पीएम-जेएवाई के अंतर्गत कवर नहीं होने वाले परिवारों के वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख का साझा कवर उपलब्ध होगा। यह कवर 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष होगा। आयुष्मान भारत योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, जहां पर विजिट करना होगा। आधार कार्ड में जन्मतिथि के आधार पर आवेदन हो सकेगा। इस पोर्टल पर स्पेशल कार्ड के लिए अलग से विंडो होगी। इसके साथ ही गूगल प्ले स्टोर से आयुष्मान ऐप डाउनलोड करके उसके जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। इस ऐप में अलग से फीचर होगा, जिसके जरिए आवेदन किया जा सकेगा। ई-केवाईसी विकल्प के बाद नया कार्ड जनरेट हो जाएगा। आयुष्मान भारत योजना की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए भी आवेदन कर सकेंगे।

भारत तिब्बत समन्वय संघ की तप 2024 बैठक आज से, लिए जा सकते हैं बड़े प्रस्ताव

उदयपुर (हिंस)। भारत तिब्बत समन्वय संघ की राष्ट्रीय कोर परिषद की उतरार्द्ध बैठक यहां स्थानीय हिरण मगरी सेक्टर 13 स्थित आशीष वाटिका में 28 व 29 सितंबर को होगी। प्रखर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ सुदृढ़ अखंड भारत निर्माण की दिशा में कार्यरत संघ की इस बैठक का नाम *तप 2024* रखा गया है। बैठक में देश भर से चिंतक जुटेंगे। संघ के राष्ट्रीय सह संयोजक (संवाद प्रभाग) संजय सोनी ने बताया कि तिब्बत को चीन से स्वतंत्र कराए बगैर भारत की आजादी अधूरी है, इस विचार से संघ निरंतर विभिन्न उपक्रमों व कार्यक्रमों की रचना कर अभियान चलाता जा रहा है। इसी के तहत इस बैठक में भी आगामी कार्ययोजना के मद्देनजर बड़े प्रस्ताव लिए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि तप 2024 में प्रथम दिन पांच सत्र और दूसरे दिन दो सत्र होंगे। इन सत्रों में संघ के अब तक के कार्यों की समीक्षा होगी और आगे की रणनीति पर विचार होगा। पहले दिन शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे उद्घाटन सत्र होगा। दूसरे दिन रविवार को 12 बजे से समापन सत्र होगा। बैठक में देश के विभिन्न भागों से आए संघ के राष्ट्रीय दायित्व प्राप्त कार्यकर्ता भाग लेंगे। केंद्रीय संयोजक व वरिष्ठ पत्रकार हेमेंद्र तोमर लखनऊ से, केंद्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य व महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मनोज दीक्षित बीकानेर से, राष्ट्रीय महामंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीनिवास राव बेंगलूरू से, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सहकारिता क्षेत्र की जानीमानी हस्ती प्रकाश रत्न पारखी खरगौन से, तिब्बती मामलों के विशेषज्ञ व गणित के प्रोफेसर डॉ सचिन श्रीवास्तव कांगड़ा से, शिवालय संरक्षण समिति के प्रभारी व वारकरी संप्रदाय के महंत बाबा जलगांव से, मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति व केंद्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य प्रो. परमेंद्र दशोरा अलीगढ़ जो मूलत: उदयपुर से हैं, इसमें शामिल होंगे।

बिहार के नेताओं के चलते देश में राज्य के लोगों का हो रहा अपमान : प्रशांत किशोर

पटना (हिंस)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को बिहार के युवाओं के साथ दूसरे राज्यों में हो रहे दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में बिहार के लोगों का अपमान हो रहा है। बिहारी व्यक्ति को मूर्ख, अनपढ़ और मजदूर समझा जाता है। आज बिहारी शब्द गाली बन गया है। आज पूरे देश में बिहार के बच्चों का जो अपमान हो रहा है, उसके लिए बिहार के नेता जिम्मेदार हैं। प्रशांत किशोर ने बिहार के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि बिहार ज्ञान की धरती रही है। दुनिया भर से लोग शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने के लिए बिहार आते थे। बिहार के नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय पूरी दुनिया में प्रसिद्ध थे। उन्होंने कहा कि बिहार वह धरती है, जहां देवताओं ने भी ज्ञान प्राप्त किया। एक समय था जब पूरे देश पर बिहार से शासन होता था लेकिन बिहार के नेताओं के जंगलराज और अफसर राज का नतीजा है कि आज बिहार के बच्चे और युवा महज दस से बारह हजार रुपए के लिए पूरे देश में जाकर मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्हें अपना घर-परिवार छोड़कर दूसरे राज्यों में मजदूरी करनी पड़ती है। साथ ही अपमान और दुर्व्यवहार सहना पड़ता है। इसलिए जन सुराज का संकल्प है कि इस व्यवस्था को बदला जाए। बिहार के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, ताकि कोई उन्हें अनपढ़ और मूर्ख कहकर अपमानित न करे।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले यात्रा की राजनीति शुरू

तेजस्वी की आभार यात्रा का जवाब जदयू समागम से देगी

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा चुनाव में भले ही अभी एक साल का समय बाकी हो लेकिन सियासी बिसात अभी से ही बिछाई जाने लगी है। बिहार में अगले वर्ष यानी 2025 में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में प्रदेश में यात्राओं और समागम का दौर चल पड़ा है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के राजनीतिक वारिस माने जाने वाले पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव आभार यात्रा के जरिए पहले चरण में 4 जिलों का दौरा पूरा कर चुके है। राजद की आभार यात्रा के जवाब में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) *कार्यकर्ता समागम* शुरू करने जा रहे हैं। कार्यकर्ता समागम का नेतृत्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नौकरशाह से नेता बने पार्टी के महासचिव मनीष वर्मा को सौंपी है। इस बहाने मनीष वर्मा चुनाव से पहले बिहार मथने के साथ-साथ जदयू कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र भी देंगे। जदयू *कार्यकर्ता समागम* की शुरुआत शुक्रवार को मुजफ्फरपुर से हो रही है, जो चार महीने तक चलेगी। अगले साल 20 जनवरी 2025 को नालंदा में इसका समापन होगा। बीते साल 2023 से ही बिहार के हरेक गांव-गांव की खाक छान रहे जनसुराज के

सूत्रधार प्रशांत किशोर दो अक्तूबर को अपने संगठन को पार्टी में बदलने वाले हैं, जिसकी घोषणा उन्होंने पहले ही कर दी है। उन्हीं की राह को अपनाते हुए राजद नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आभार यात्रा पूरी की है। बीते 10 सितंबर से लेकर 17 सितंबर के मध्य निकाली आभार यात्रा का पहला चरण पूरा हो गया है। जिसके पहले दिन 10 सितंबर को तेजस्वी यादव ने समस्तीपुर जिले के 5 विधानसभा क्षेत्र मोरवा, सरायरंजन, मोइनुद्दीन नगर, उजियारपुर और बिभूतिपुर के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका फिडबैक लिया था। तेजस्वी ने 11 सितंबर को समस्तीपुर, रोसड़ा, कल्याणपुर, वारिसनगर और हसनपुर के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। 12 सितंबर को तेजस्वी ने दरभंगा जिले के बहादुरपुर, दरभंगा, हायाघाट, केवटी, और जाले विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। तेजस्वी 13 सितंबर को दरभंगा ग्रामीण, गौराबौराम, बेनीपुर, अलीनगर एवं कुशेश्वरस्थान का दौरा किया। इसी तरह 14 सितंबर को तेजस्वी यादव ने मधुबनी जिले में मधुबनी, राजनगर, बेनीपट्टी, बिस्फी और हरलाखी विधानसभा के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इसके बाद 15 सितंबर को तेजस्वी यादव मधुबनी जिले के लोकहा फुलपरास, झंझारपुर, और खजौली विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। 16 सितंबर को तेजस्वी यादव मुजफ्फरपुर में गायघाट औराई मीनापुर बोचहा सकरा और कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से मिले। 17 सितंबर तेजस्वी यादव ने अपनी आभार यात्रा का समापन मुजफ्फरपुर जिले में किया। तेजस्वी यादव ने मुजफ्फरपुर जिले के मुजफ्फरपुर, कांटी, बारूराज, पारू और साहिबगंज के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका फीडबैक लिया। तेजस्वी की आभार यात्रा के संपन्न होते ही राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा अपनी बिहार यात्रा पर हैं। उपेंद्र कुशवाहा बिहार यात्रा के पहले चरण में 25 सितंबर को अरवल व औरंगाबाद, 26 को औरंगाबाद व रोहतास, 27 को रोहतास व भोजपुर और 29 को सारण में अपने पहले चरण की यात्रा का समापन करेंगें।आज वे रोहतास पहुंचे है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहन चलाना और महंगा होगा, टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी मिली

नई दिल्ली।
दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे से आना-जाना महंगा होने वाला है क्योंकि यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा को आगरा से जोड़ने वाले 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है।

अधिकारियों ने कहा कि नई दरें 1 अक्टूबर से लागू होंगी। इससे अथॉटरिटी को प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ का टोल मिलेगा। दोपहिया, तीन पहिया और रजिस्टर्ड ट्रैक्टर्स के लिए नई टोल की दरें 1.50 प्रति किलोमीटर होंगी, जबकि पहले दरें 1.25 रुपये प्रति किमी थीं।

वहीं कार, जीप और हल्के मोटर वाहनों के लिए 2.95 प्रति किमी थीं, जबकि पहले ये दर 2.6 प्रति किमी थी।

बस और ट्रकों को 4.15 प्रति किमी की पुरानी दर के मुकाबले 4.6 प्रति किमी का भुगतान करना होगा।

जबकि भारी वाहनों को 12.90 किमी की पुरानी दर के मुकाबले 14.25 प्रति किमी का भुगतान करना होगा।

भारी वाहन और मल्टी-एक्सल वाहनों पर टोल दर बढ़ाकर 14 रुपये 25 पैसे प्रति किलोमीटर कर दी गई है। पहले यह 12 रुपये 90 पैसे प्रति किलोमीटर थी।

7 या उससे अधिक एक्सल वाले वहानों पर 18 रुपये 35 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से टोल वसूला जाएगा। इससे 16.60 रुपये की दर से टोल वसूला जाता था।

यमुना एक्सप्रेसवे पर नए टोल रेट लागू होने के बाद, ग्रेटर नोएडा से आगरा तक कार से सफर करने पर टोल की रकम 270 रुपये से बढ़कर 295 रुपये हो जाएगी।

इसी तरह बसों के लिए यह राशि 895 रुपये से बढ़कर 935 रुपये होगी। वहीं ओवरसाइज वाहनों के लिए टोल 1760 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

डीएचएल एक्सप्रेस की जनवरी से पार्सल डिलीवरी महंगी होगी

मुंबई । लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस ने अगले साल एक जनवरी से भारत में पार्सल डिलीवरी की कीमतों में लगभग 6.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। डीएचएल ने कहा कि मुद्रास्फीति तथा मुद्रा गतिशीलता के साथ-साथ नियामक व सुरक्षा उपायों से संबंधित प्रशासनिक लागतों को ध्यान में रखते हुए वार्षिक आधार पर वैश्विक स्तर पर बाजारों में कीमतों को समायोजित किया जाता है। कंपनी बयान के अनुसार डीएचएल एक्सप्रेस ने मूल्य समायोजन की घोषणा की है जो एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। भारत में औसत (मूल्य) वृद्धि 6.9 प्रतिशत होगी।

वेदांता एल्युमीनियम ने सरकारी आदेश का किया अनुपालन

नई दिल्ली । वेदांता एल्युमीनियम ने शुक्रवार को कहा कि उसने वायर रॉड और रोल्ड उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य करने के सरकार के आदेश का अनुपालन कर लिया है। सरकार ने पिछले साल एल्युमीनियम तथा एल्युमीनियम मिश्र धातुओं के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एक नया विनियमन पेश किया था। यह प्रमाणन छत्तीसगढ़ स्थित बाल्को संयंत्र और ओडिशा स्थित झारसुगुड़ा इकाई में विनिर्मित उत्पादों पर लागू होता है। वेदांता के पास एल्युमीनियम उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए बीआईएस प्रमाणन है, जिसमें 12 एमएम वायर रॉड, रोल्ड शीट, रोल्ड कंडक्टर प्लेट, रोल्ड प्लेट, मिश्र धातु सिल्लियां तथा प्राथमिक सिल्लियां शामिल हैं। सभी विभिन्न इंजीनियरिंग तथा औद्योगिक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाती हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वेदांता एल्युमीनियम के वायर रॉड और रोल्ड उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन गुणवत्ता, सुरक्षा तथा नियामक अनुपालन को लेकर हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

एनबीसीसी को आईआईआईटी नागपुर के अतिरिक्त निर्माण का ठेका मिला

नई दिल्ली । एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को नागपुर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि उसे नागपुर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा विकास के लिए एक परियोजना का ठेका मिला है। बयान के अनुसार, 75 करोड़ रुपये की अनुमानित परियोजना लागत के साथ यह शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित आईआईआईटी नागपुर में शैक्षणिक सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है ।

प्रताप स्नैक्स में 46.85 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेंगी ऑथम और माही मधुसूदन

नई दिल्ली । ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर और माही मधुसूदन केला मिलकर प्रताप स्नैक्स में 46.85 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे। प्रताप स्नैक्स, अल्पाहार (स्नैक) ब्रांड येलो डायमंड और स्वीट स्नैक्स ब्रांड रिच फीस्ट का परिचालन करती है। कंपनी ने शेयर बाजार को शुक्रवार को बताया कि कंपनी ने अपने तीन निजी इक्विटी प्रवर्तकों से 846.60 करोड़ रुपये के सौदे में 46.85 प्रतिशत शेयर हासिल करने के लिए प्रवर्तकों के साथ शेयर खरीद समझौता किया है। प्रवर्तक पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स-1, पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स-2 और सिकोइया कैपिटल जीएफआईवी मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स के पास क्रमशः 2.48 प्रतिशत, 34.65 प्रतिशत और 9.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। हालांकि, लाल निशान में गोता लगाने के पहले दिन के पहले सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में बिकवाली के दबाव की वजह से दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गये। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मीडिया और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एफएमसीजी और टेलीकॉम इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, ऑटोमोबाइल, आईटी, ऑयल एंड गैस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट मे मामूली मजबूती के साथ कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई गिरावट के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 477.94 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 477.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को

कारोबार से करीब 78 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,060 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,974 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,959 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 127 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,474 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,231 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,243 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 57.72 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 85,893.84 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण ये सूचकांक 142.13 अंक की बढ़त के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 85,978.25 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, सेंसेक्स की ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 11 के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में बने बिकवाली के दबाव की वजह से कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 361.54 अंक की कमजोरी के साथ 85,474.58 अंक तक लुढ़क गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी की वजह से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 264.27 अंक की कमजोरी के साथ 85,571.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 32.20 अंक की मजबूती के साथ 26,248.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक 61.30 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च शिखर 26,277.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, दोपहर 11 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 64.65 अंक की गिरावट के साथ 26,151.40 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 37.10 अंक की कमजोरी के साथ 26,178.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बीपीसीएल 6.43 प्रतिशत, सिप्ला 3.13 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 2.65 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.89 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

आरईपीएल को सेबी से एसएम-आरईआईटी के लिए पंजीकरण मिला

नई दिल्ली । एकीकृत शहरी विकास तथा बुनियादी ढांचे के लिए परामर्श सेवाएं देने वाली कंपनी रुद्राभिषेक एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईपीएल) को बाजार नियामक सेबी से लघु एवं मझोले रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (एसएम-आरईआईटी) के लिए पंजीकरण प्राप्त हो गया है। आरईपीएल ने कहा कि यह मंजूरी इम्पैक्टआर एसएम आरईआईटी नाम से दी गई है। नए नियमों के बाद यह पंजीकरण प्राप्त करने वाला यह भारत का दूसरा एसएम-आरईआईटी है। आरईपीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम जल्द ही इम्पैक्टआर एसएम आरईआईटी का पहला आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पेश करने जा रहे हैं। हम भविष्य में पारंपरिक आवासीय तथा वाणिज्यिक संपत्तियों से आगे बढ़कर वेयरहाउसिंग, अस्पताल, होटल और औद्योगिक स्थानों जैसे विविध परिसंपत्ति वर्गों को पेश करने की योजना बना रहे हैं। आरईपीएल विभिन्न स्थानों पर विविध क्षमताओं के तहत स्मार्ट सिटी, पीएमएवाई और अमृत जैसे सरकारी प्रमुख कार्यक्रमों से व्यापक रूप से जुड़ी है।

दवाई-बाइक सहित 100 वस्तुओं पर कर दरें संशोधित करेगी सरकार

टैक्स की दरों को 12 से घटाकर 5 फीसदी करने की योजना, दिवाली से पहले ऐलान संभव

नई दिल्ली ।
महंगाई के संकट का सामना कर रहे आम लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की संभावना दिखाई दे रही है क्योंकि केंद्र सरकार 100 से ज्यादा सामानों पर जीएसटी की दरों में बदलाव करने की योजना बना रही है। इनमें जरूरी दवाइयां, बाइक समेत कई वस्तुएं शामिल हैं। दरअसल केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह ने जीएसटी दरों में सुधार की कवायद तेज हो चुकी है। इस बारे में पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने पर विचार किया जा रहा है और अगली बैठक 20 अक्टूबर को आयोजित होगी। इन 100 सामानों में बाइक्स और बोतलबंद पानी जैसे महत्वपूर्ण आइटम शामिल हैं। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्रिस्तरीय पैनल ने 12 और 18 फीसदी स्लैब के विलय के अलावा 100 से अधिक वस्तुओं पर दरों को फिर से बनाने के प्रस्तावों पर चर्चा की है, लेकिन अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले इस पर विश्लेषण करेगा। भट्टाचार्य ने कहा कि आम आदमी द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दरों को कम किया जाना चाहिए और खाने-पीने से जुड़े सामानों पर जीएसटी की दरों को 12 प्रतिशत से पांच प्रतिशत के स्तर पर लाया जाना चाहिए। अभी मोटर साइकिल और उसके पुर्जे और सहायक उपकरण पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि ई-साइकिल पर पांच प्रतिशत कर लगता है।

ओला ई-स्कूटर एस1, एक्स 2केडब्ल्यूएच को मिला पीएलआई प्रमाणन

नई दिल्ली।
ओला इलेक्ट्रिक के इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 एक्स 2केडब्ल्यूएच को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्रता आवश्यकताओं के तहत अनुपालन प्रमाणपत्र हासिल हो गया है। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि इसके साथ ही कंपनी के पास अब दोपहिया वाहनों में पांच उत्पाद हैं जो पीएलआई योजना के तहत प्रमाणित हैं।

कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि उत्पाद के लिए पीएलआई प्रमाणन प्राप्त करना हमारी एकीकृत विनिर्माण शक्ति की पुष्टि करता है, जो भारत के इलेक्ट्रिक वाहन लक्ष्य को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी मोटर वाहन पीएलआई योजना एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम रही है। इसने विनिर्माताओं को स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और व्यापक आर्थिक वृद्धि हासिल करने में कंपनियों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया है।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट नजर आ रही है। सोने के भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,160 रुपये से लेकर 77,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,740 रुपये से लेकर 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली कमजोरी आई है। इस कमजोरी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह

अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,060 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई, जिसकी वजह से एसएंडपी 500 इंडेक्स नए शिखर पर पहुंच कर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक में भी लगातार चौथे दिन तेजी दर्ज की गई। बाजार में आई तेजी के कारण एसएंडपी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,745.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 108.09 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछल कर 18,190.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,145.79 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान

लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,284.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 176.47 अंक यानी 2.28 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 7,742.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 319.86 अंक यानी 1.66 प्रतिशत कि मजबूत छलांग लगा कर 19,238.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,566.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.04 प्रतिशत फिसल कर 22,850.35 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.27 प्रतिशत टूट कर 2,664.34 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,689.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,423.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 308.52 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,234.15 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 678.47 अंक यानी 3.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,603.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 2.10 प्रतिशत उछल कर 3,065.29 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,458.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

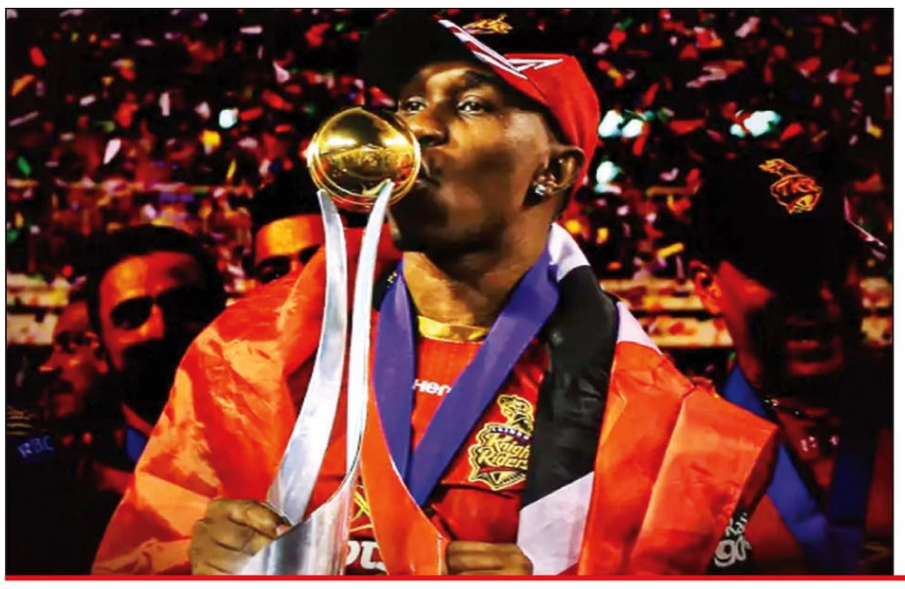

ड्वेन ब्रावो ने सभी तरह के क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली।

वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो ने चोट के कारण कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के अंतिम सत्र के बीच में ही सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

अगले महीने 41 साल के ब्रावो इतिहास में सबसे ज्यादा टी20 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने पहले 2021 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था, और पिछले साल आईपीएल से दूर चले गए, क्योंकि उन्होंने कोचिंग में जाना शुरू कर दिया था – पिछले 12 महीनों में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स और अफगानिस्तान पुरुष टीम के साथ काम किया है।

अगले महीने 41 साल के ब्रावो इतिहास में सबसे ज्यादा टी20 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने पहले 2021 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था, और पिछले साल आईपीएल से दूर चले गए, क्योंकि उन्होंने कोचिंग में जाना शुरू कर दिया था – पिछले 12 महीनों में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स और अफगानिस्तान पुरुष टीम के साथ काम किया है।

ब्रावो ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, मेरा दिमाग चलते रहना चाहता है, लेकिन मेरा शरीर अब दर्द, टूटन और तनाव को सहन नहीं कर सकता। मैं खुद को ऐसी स्थिति में नहीं रख सकता जहां मैं अपने साथियों, अपने प्रशंसकों या जिन टीमों का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं उन्हें निराश कर सकूं। इसलिए, भारी मन से, मैं आधिकारिक तौर पर खेल से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करता हूं। चैंपियन विदाई ले रहा है।

18 साल के करियर में, ब्रावो ने टी20 क्रिकेट में काफी कुछ हासिल किया है, उन्होंने आईपीएल, पीएसएल और बिग बैश में खिताब जीते, साथ ही वेस्टइंडीज के साथ दो बार विश्व चैंपियन बने। उन्होंने 582 मैचों में इस प्रारूप में 631 विकेट हासिल किए हैं। ब्रावो ने सीपीएल के मौजूदा संस्करण से पहले घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी संस्करण होगा। वह यूएई के आईएलटी20 के तीसरे सीज़न में खेलने वाले थे, जिसे एमआई अमीरात ने बरकरार रखा था, लेकिन मंगलवार को तरौबा में सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ खेलते हुए कमर में चोट लगने के बाद उन्होंने बाहर होने का फैसला किया।

ब्रावो सीपीएल इतिहास में सबसे सम्मानित खिलाड़ी थे, जिन्होंने कुल मिलाकर पांच खिताब जीते थे, जिसमें अकेले ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ तीन खिताब शामिल हैं। उन्होंने 2021 में पैट्रियट्स को अपना पहला खिताब दिलाने से पहले 2017 और 2018 में टीकेआर को लगातार खिताब दिलाया था।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ नहीं जा रहे आरसीबी , सोशल मीडिया में फर्जी खबर लिखने वालों पर भड़के

कानपुर । दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में नहीं जा रहे हैं और इस प्रकार की जो भी बातें कही जा रही हैं वे गलत हैं। ऋषभ ने एक फैन पेज की आलोचना की जो इन फर्जी खबरों को फैला रहा था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसी अविश्वसनीय बातें फैलाना सही नहीं है। इस प्रकार की चीजों को जारी करने से पहले खबर की पुष्टि कर लेनी चाहिये और आधारहीन बातें कहकर संशय नहीं फैलाना चाहिये। इस आक्रामक बल्लेबाज ने नाराजगी जताते हुए लिखा, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इतनी फर्जी खबरें क्यों फैलाते हैं अगर ऐसा समझदार लोग कर रहे हैं तो ये और भी निराशाजनक बात है। बिना वजह अविश्वसनीय माहौल बनाना ठीक नहीं है हालांकि मैं जानता हूं कि यह पहली बार नहीं है और आखिरी बार भी नहीं होगा पर मुझे मजबूरन ये लिखना पड़ा है। ऋषभ ने 2024 आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की थी। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में 8 मैचों में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। वहीं इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट वापसी की, जिसमें उन्होंने 128 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। इस क्रिकेटर ने यह प्रतिक्रिया फर्जी खबरों के प्रति अपने प्रशंसकों को सजग करने के लिए की है।

पांचवीं राज्य स्तरीय क्वान कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता संपन्न, माहेश्वरी स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

इन्दौर । खंडवा रोड स्थित अरिहंत कॉलेज में राज्य स्तरीय पांचवी क्वान कराटे की दो चैंपियनशिप प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें उज्जैन, इंदौर, देवास और ग्वालियर के कई छात्र खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों में कराटे के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। श्री माहेश्वरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 11वीं कक्षा के छात्र मास्टर उमर शेख़ ने अंडर 17 श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। तो वहीं 8वीं कक्षा के छात्र मास्टर मोहित शर्मा ने अंडर 14 श्रेणी में ब्राउन मेडल प्राप्त किया। विद्यालय के कराटे कोच अनिकेत डांगी ने छात्रों की मेहनत और लगन की सराहना करते कहा कि यह सफलता केवल इन छात्रों के प्रयासों का परिणाम नहीं, बल्कि विद्यालय के सभी छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती प्रतिभा कानूनगो और अध्यक्ष देवेंद्र बाहेती भी उपस्थित थे। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि उनकी इस सफलता से अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। प्राचार्य ने बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि निरंतर अभ्यास और समर्पण से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस प्रतियोगिता ने युवा खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक माहौल तैयार किया और उन्हें कराटे जैसे मार्शल आर्ट के प्रति और अधिक उत्साहित किया।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान लिसा बोली इस बार भारतीय महिला टीम जीत सकती है टी20 विश्व कप

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लीसा स्थालेकर के अनुसार इस बार यूएई में होने वाले

महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। लीसाके अनुसार इस अगले माह होने वाले इस टूर्नामेंट मे भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज शैफ़ाली वर्मा और स्मृति मंधाना अहम भूमिका निभा सकती हैं। विश्वकप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। लीसा के अनुसार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वे मौजूदा चैंपियन हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के भी अच्छे अवसर हैं। वहीं हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली गलतियों को ठीक कर सकती है। वे 2020 में फाइनलिस्ट थे और वे लंबे समय से सेमीफाइनलिस्ट हैं। मुझे लगता है कि उनके पास अब इसे बदलने का अवसर है। मुझे लगता है कि वे अच्छी शुरुआत के लिए अपने सलामी बल्लेबाजों पर निर्भर रहेंगे। जैसे, अगर पूजा वस्त्रकर अगर फिट रह सकती है और वापसी की राह पर है, तो वह कई टीमों के लिए काफी मुश्किल साबित हो सकती है।

कानपुर टेस्ट पहला दिन : बारिश ने डाली खलल, केवल 35 ओवर का हो सका खेल

कानपुर।

भारत और बांग्लादेश के बीच यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश के कारण जल्दी खत्म कर दिया गया। पहले दिन केवल 35 ओवर और 166 मिनट का खेल हो सका। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 107 रन बना लिए हैं। मोमिनुल हक 40 और मुशिफकुर रहीम 6 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इससे पहले कल रात भर हुई बारिश के कारण टॉस होने में देरी हुई और मैच लगभग 1 घंटे देर से शुरू हुआ। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बादल छाए रहने के बावजूद बांग्लादेश ने सुबह का सत्र ठीक-ठाक खेला। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (28*) और मोमिनुल हक (17*) ने मुश्किल परिस्थितियों में 45 रनों की अटूट साझेदारी कर बांग्लादेश को थोड़ी राहत दिलाई।

हालांकि पिच पर घास थी, लेकिन काली मिट्टी की वजह से उछाल कम था और सतह धीमी थी। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने नई गेंद स्विंग कराया।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम और जाकिर हसन कुछ मौकों पर आउट होने से बचे, लेकिन आकाश दीप के आने तक वे नई गेंद के खिलाफ पूरी तरह से आश्वस्त दिखे। भारत के नए तेज गेंदबाज ने एक बार फिर अपने पहले ओवर में ही कमाल कर दिया, जब उन्होंने जाकिर (00) को गली में यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। इसके तुरंत बाद, तेज गेंदबाज ने शादमान (24) को एलबीडब्लू आउट कर भारत को दोहरी सफलता दिलाई।

इसके बाद मोमिनुल हक और कप्तान नजमुल हसन शांतों ने पारी को आगे बढ़ाया और तीसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। 80 के कुल स्कोर पर अश्विन ने नजमुल को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। नजमुल ने 31 रन बनाए। इसके बाद मोमिनुल और मुश्फिकुर ने बांग्लादेश की पारी को 100 के पर पहुंचाया। 35वें ओवर के बाद खराब रोशनी के कारण खेल को रोका गया और फिर जोरदार बारिश आ गई,इसके बाद खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया।

विराट, रोहित जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को भी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को घरेलू क्रिकेट भी खेलना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार अगर विराट और रोहित बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले दिलीप ट्रॉफी खेलते तो उन्हें बल्लेबाजी में आसानी होती। चेन्नई में हुए पहले टेस्ट में रोहित और विराट रन बनाने में असफल रहे थे। मांजरेकर ने कहा कि अगर उन्होंने कुछ लाल गेंद वाला क्रिकेट खेला होता तो उनके लिए हालात अच्छे होते। उन्हें दलीप ट्रॉफी में चुनने का विकल्प था, इसलिए वे नहीं खेले। मेरा मानना है कि इस प्रकार का विकल्प अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिलना चाहिये। कुछ खिलाड़ियों के साथ अलग व्यवहार नुकसानदेह हो सकता है। बीसीसीआई को वही करना चाहिये जो भारतीय क्रिकेट और खिलाड़ी के लिए सबसे अच्छा हो। विराट और रोहित का घरेलू क्रिकेट से दूर रहना भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत नहीं है। न ही ये खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। अगर उन्होंने दलीप ट्रॉफी खेली होती और लाल गेंद वाले क्रिकेट में कुछ समय बिताया होता तो उनके लिए पहले टेस्ट में हालात अलग होते। मांजरेकर ने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को उनके अनुभव और स्तर के आधार पर विशेष सुविधाएं मिल रही हैं जो सही नहीं है।, मांजरेकर ने हालांकि कहा कि कोहली और रोहित दोनों के पास रन बनाने की पूरी क्षमता है। उनके पास रन बनाने के लिए क्लास और अनुभव दोनो ही है और मुझे नहीं लगता कि वे इस कारण से फॉर्म से दूर हैं।

बाएं हाथ के इंग्लिश तेज गेंदबाज जोश हल पाक दौरे से बाहर

लंदन।

बाएं हाथ के इंग्लिश तेज गेंदबाज जोश हल चोट के कारण पाकिस्तान दौरे से बाहर हो गए हैं। 20 वर्षीय हल को किआ ओवल में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में अपने पदार्पण के दौरान यह समस्या हुई। उस समय, ईसीबी को लगा कि उनके ठीक होने का समय है और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर कर दिया गया।

हालाँकि, चोट बरकरार रहने के कारण, गुरुवार को हल को पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला से बाहर करने का निर्णय लिया गया। इंग्लैंड ने किसी प्रतिस्थापन का फैसला नहीं किया है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट मैच मुल्तान में 7 अक्टूबर से खेला जाएगा।

6 फीट 7 इंच की ऊंचाई वाले हल को श्रीलंका के खिलाफ एक टूर मैच में पांच विकेट लेने के बाद, एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में पहले टेस्ट में मार्क वुड की चोट के बाद टीम में शामिल किया गया था।

प्रशिक्षण में बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हल पर मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन का ध्यान गया। जिसके बाद उन्हें द ओवल में इंग्लिश टीम में जगह मिली।

द ओवल में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में 53 रन देकर 3 विकेट लिए, लेकिन दूसरी पारी में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, क्योंकि श्रीलंका ने 219 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को गर्मियों की एकमात्र टेस्ट शिकस्त दी। यह मैच हल के करियर का 11वां प्रथम श्रेणी मैच था, यह उस सीज़न में था जब वह लीसेस्टरशायर के लिए तीन डिवीजन दो मैचों में 182.50 के भारी औसत से केवल दो विकेट ले सके थे।

श्रीलंका के मेंडिस ने बनाया नया रिकार्ड आठ टेस्ट मैचों में लगातार अर्धशतक लगाये

गाले।

मेजबान श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 306 रन बना लिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय दिनेश चांदीमल 116 और एंजलो मैथ्यूज नाबाद 78 रनों पर खेल रहे थे। इसके अलावा कामिंडु मेंडिस ने भी नाबाद नाबाद 51 रन बनाये। इस मैच में मेंडिस ने युवा अपने 50 रन पूरे करने के साथ ही एक नया विश्व रिकार्ड बना दिया। इसी के साथ ही मेंडिस दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने पदार्पण के बाद 8 टेस्ट मैच में 8 बार 50 से अधिक रन बनाए हैं। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तान के बल्लेबाज सऊद शकील के लगातार 7 टेस्ट में 50 से ज्यादा रनों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं इससे पहले सुनील गावस्कर, बेसिल बुचर, सईद अहमद और बर्ट सुटक्लिफ के नाम पदार्पण के बाद लगातार 6 टेस्ट मैचों में अर्धशतक लगाने का रहा था।

मेजबान श्रीलंका टीम की टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में उसके बल्लेबाज पुथम निसंका एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद दिनेश चांदीमल ने दिमुथ करुणारत्ने के साथ पारी संभाली और दूसरे विकेट के लिए 122 रन जोड़े।

युवराज ने खोला छह छक्के लगाने का राज फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस से प्रेरित हुआ

नई दिल्ली।

पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में छह छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया था। उसी को लेकर युवराज ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के साथ बातचीत में कहा कि उस दिन सभी गेंदें बल्ले के बीचों बीच आ रहीं थीं। उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में ये छक्के लगाये थे। उसी के साथ युवराज टी20 में एक ही ओवर में 6 छक्के लगाने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने। युवराज ने कहा, यह पहला टी20 विश्व कप था और किसी को नहीं पता था कि टी20 खेल को कैसे खेला जाना चाहिए। यॉर्कशायर वह जगह थी जहां मैंने अपना पहला टी20 मैच खेला और इसी दौरान मुझे ये प्रारूप समझ में आया। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया था।

साथ ही कहा कि फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस के बाद उन्हें लगा कि 6 छक्के लगाकर जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, फ्लिंटॉफ ने मुझसे कुछ बातें कहीं जिससे मुझे गुस्सा आ गया। तब मैंने अंपायर से कहा कि वह इसे शुरू कर रहे हैं और या तो उन्हें रुकना होगा या अंपायर को बीच में आना होगा। अंपायर ने इसपर अधिक ध्यान नहीं दिखा जिससे मेरा गुस्सा बढ़ गया। तब मैं हर गेंद को मैदान के बाहर मारना चाहता था, और ऐसा ही हुआ। तीसरे छक्के के बाद, मैंने ब्रॉड को लांग ऑफ पर मारा। इसके बाद गेंदबाज ने पैरों पर गें डालने का प्रयास किया।

चौथी गेंद अच्छी थी, जो मेरे बल्ले के अंगूठे पर लगी, लेकिन बाउंड्री छोटी थी, इसलिए वह छक्का लग गया। अंतिम गेंद पर मुझे पता था कि यॉर्कर आएगी, मैंने उस पर बल्ला चला दिया जिसपर किस्मत से छक्का लग गया। युवराज की इस पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई बल्कि टी20 क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत भी की।

भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी रमित टंडन ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ किया करार

नई दिल्ली।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने भारत के शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ी रमित टंडन के साथ अनुबंध किया है, जो वर्तमान में प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) रैंकिंग में विश्व स्तर पर 30वें स्थान पर हैं। इस करार के तहत, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स रमित को विश्व स्तरीय संसाधन और एक्सपोजर प्रदान करके आगे की सफलता हासिल करने में मदद करेगा। रमित टंडन ने पीएसए टूर पर लगातार सफलता हासिल करते हुए अपने पेशेवर स्क्वैश करियर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कोलकाता के रमित ने कई पीएसए खिताब जीते हैं, जिसमें सिंगापुर स्क्वैश ओपन और सिएटल ओपन में जीत शामिल है। उनके दृढ़ संकल्प और समर्पण ने उन्हें लगातार विश्व स्तर पर शीर्ष स्टार स्क्वैश एथलीटों में रखा है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ करार पर रमित ने कहा,जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स में शामिल होना एक ऐसे परिवार के घर आने जैसा लगता है जो उत्कृष्टता के लिए मेरे जुनून और दृढ़ संकल्प को साझा करता है। उनके समर्थन से, मुझे विश्वास है कि हम शीर्ष 30 रैंकिंग से आगे बढ़ सकते हैं और दुनिया में शीर्ष 10 पर अपनी नजरें जमा सकते हैं, क्योंकि चैंपियन बनाने का उनका ट्रैक रिकॉर्ड बहुत कुछ कहता है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स की खेल उत्कृष्टता और स्काउटिंग प्रमुख मनीषा मल्होत्रा ने कहा,रमित के साथ अनुबंध करना जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय स्क्वैश के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उनकी प्रतिभा और हाल ही में दुनिया के शीर्ष 30 में शामिल होने से अपार संभावनाएं दिखती हैं। हम विश्व स्क्वैश के शीर्ष पर रमित की यात्रा का समर्थन करने के लिए उत्साहित हैं, हमारा मानना है कि यह खेल में भविष्य के भारतीय चैंपियनों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। 2009 में पीएसए वर्ल्ड टूर में शामिल होने के बाद से, रमित भारत के शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं।

मैक्सवेल टेस्ट टीम में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट खेलेंगे

मेलबर्न । ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए अब विक्टोरिया की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। मैक्सवेल अगले साल जनवरी और फरवरी में श्रीलंका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह हासिल करना चाहते हैं। मैक्सवेल ने हालांकि फरवरी 2023 के बाद से ही विक्टोरिया की ओर से कोई शेफील्ड शील्ड मैच नहीं खेला है। उन्होंने पिछले 5 साल में केवल दो ही प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। शेफील्ड शील्ड मुकाबले 8 अक्टूबर से शुरू होंगे। मैक्सवेल 2022 में श्रीलंका दौरे पर गयी टेस्ट टीम में शामिल थे। टीम को उम्मीद है कि वह गॉल में स्पिनरों के सहायक हालातों में प्रभावी हो सकते हैं। उन्होंने अपने सभी टेस्ट मैच उपमहाद्वीप में खेले हैं। आखिरी बार वह 2017 में बांग्लादेश में खेले थे। वहींविक्टोरिया क्लब चाहता है कि गर्मियों की शुरुआत में मैक्सवेल उनके लिए लाल गेंद वाले क्रिकेट में खेलें और यह उनके लिए लय में आने का एक अच्छा अवसर होगा, क्योंकि उन्होंने हाल के वर्षों में लाल गेंद प्रारूप में बहुत कम खेला है। विक्टोरिया के कप्तान विल सदरलैंड ने कहा कि मुझे लगता है कि मैक्सवेल कुछ समय के लिए उपलब्ध रहेंगे और मेरा मानना ?है कि वह खेलने के लिए भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि जाहिर है, इस समय उसके खेलने से चीजें बदल सकती हैं पर उनके जैसे खिलाड़ी का हमारी टीम में आना एक उपलब्धि की बात है, इसलिए उम्मीद है कि यह अच्छी तरह से अपना काम करेंगे। मैक्सवेल ने इससे पहले अपना अंतिम प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप में वार्विकशायर के लिए खेला था।

बच्चों के लिए क्यों जरूरी है

कंगारू देखभाल

कंगारू देखभाल से न सिर्फ बच्चे को सही मात्रा में ऑक्सीजन मिलती है, बल्कि उसका विकास भी तेजी से होता है। हालांकि इसे करते समय कई सावधानियां भी बरतनी चाहिए। कंगारू देखभाल एक ऐसी तकनीक है जो खास करके नवजात (आमतौर पर प्री-टर्म) शिशुओं की देखभाल के लिए उपयोग की जाती है। इस तकनीक में शिशु को, एक वयस्क (अधिकांशतः माता या पिता) के साथ - त्वचा से त्वचा का संपर्क करा कर की जाती है। प्री-टर्म शिशुओं के लिए रोज कुछ घंटो के लिए कंगारू देखभाल की जाती है। लेकिन जब वे मेडिकल तौर पर सामान्य हो जाते हैं, तो इस तकनीक का समय बढ़ाया भी जा सकता है। कंगारू देखभाल, नाम उन जानवारों से प्रेरित होकर दिया गया है, जो अपने शिशुओं को अंग से लगाकर पकड़े रखते हैं। इस तकनीक को उन प्री-टर्म शिशुओं के लिए विकसित किया गया, जो उन क्षेत्रों में जन्मे लिए थे, जहां इन्क्यूबेटर उपलब्ध नहीं थे या जहां लोग मेडिकल साइंस पर उतना विश्वास नहीं करते थे।

क्या है कंगारू देखभाल?

नवजात और उसके माता पिता के बीच त्वचा से त्वचा के संपर्क को कंगारू देखभाल कहते है। कंगारू देखभाल माता या पिता के द्वारा प्रदान की जा सकती है। इसमें निर्वस्त्र शिशु को, माता पिता के नंगे सीने से लगाकर पकड़ा जाता है। बच्चे को इस तरह से एक दिन में लगभग चार घंटे, प्रत्येक बार 20 से 25 मिनट के लिए पकड़ा जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान, बच्चे की पीठ को एक कंबल या माता पिता के कपड़े से ढका जाना चाहिए। यह काफी कुछ कंगारू थैली के समान होता है, इसलिए ही इसे कंगारू देखभाल कहा जाता है। माता पिता के इस तरह से बच्चों को पकड़ने के दौरान, बच्चें कुछ ही मिनटों के भीतर सो जाते हैं और अपने माता-पिता के नजदिक सोने से उनके शरीर का तापमान भी उचित बना रहता है। कंगारू देखभाल, बच्चों को तेजी से विकसित होने में मदद करती है। इस तकनीक से ऑक्सीजन का स्तर बनाए रखने के साथ ही बच्चे को स्तनपान करने में भी मदद मिलती है।

देखभाल महत्वपूर्ण क्यों है?

कंगारू देखभाल शिशु के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है, खासतौर पर प्री-टर्म बच्चों के लिए। यह बच्चे की हृदय गति को सामान्य रखता है। वे माता पिता जो अपने बच्चों को कंगारू देखभाल प्रदान करते हैं, उनके बच्चे बेहतर नींद ले पाते हैं। ऐसे बच्चे स्वस्थ और खुश रहते हैं। उनके सांस लेने का पैटर्न भी सामान्य होता है। और यह माता पिता और शिशु में मजबूत बंधन निर्मित करता है। माता पिता के दिल की धड़कन सुनने से शिशुओं को आराम महसूस होता है। वे बच्चे जो किसी भी कारणवश अपनी मां से अलग हो जाते हैं, उनको कंगारू देखभाल दी जाती है। माता पिता भी कंगारू देखभाल के साथ अपने बच्चों से निकटता और अनुबंध को महसुस करते है।

बच्चे को हर समय ढक कर रखने का महत्व

नवजात शिशुओं के शरीर को गर्म रखना चाहिए। इसलिए अस्पताल में भी उनको कपड़े में लपेट कर रखा जाता है। नवजात शिशु वातावरण के साथ अपने शरीर के तापमान को समायोजित नहीं कर सकते इसलिए उनको हर समय ढक कर रखा जाना चाहिए। अपने बच्चे को आरामदायक कपड़े के साथ हर समय ढक कर रखे, क्योंकि बदलते तापमान आपके बच्चे के लिए हानिकारक हो सकता है। सूर्य की तेज किरणें या बदलता तापमान बच्चे को प्रभावित ना कर सके इसलिए चाहे आप अस्पताल में हो या घर पर, अपने बच्चे को ढक कर रखे। ठंड के मौसम में, हमेशा बच्चे के पैर, हाथ और सिर को ढके। तापमान में किसी भी तरह का परिवर्तन आपके बच्चे को प्रभावित कर सकता है। जब आप अपने बच्चे को कंगारू देखभाल दे रहे होते है, तब कमरे का तापमान सामान्य रहना चाहिए इसके बारे में सावधान रहें।

तस्करों ने कर दी हदें पार

तस्करों के पास तस्करी के तमाम हथकंडे होते हैं। इन्हीं हथकंडों में से एक अपनाकर वियतनामी तस्कर विलुप्तप्राय प्रजाति के बंदरों को लेकर मॉस्को पहुंच गए। ये तस्कर वियतनाम की राजधानी हो ची मिन्ह नगर से प्लेन पर सवार होकर बाकायदा मॉस्को पहुंचे, पर हवाई अड्डे के कस्टर विभाग ने उन्हें पकड़ लिया। वो पकड़े भी गए, तो एक्स-रे मशीन की वजह से। जिनसे होकर सभी सामानों को गुजरना पड़ता है। जांच अधिकारियों को एक्स-रे मशीन में जब कोई हलचल दिखी, तो तलाशी में से उसमें से कई विलुप्तप्राय प्रजाति के बंदर निकले। जिसके बाद अधिकारियों ने तस्कर को गिरफ्त में लिया। आरोपी का नाम सुरक्षा अधिकारियों ने जाहिर नहीं किया है। इतना बताया है कि उसके बड़े से बक्से में 10 बंदर कैद थे, जिनमें से 5 लेमर थे, तो 5 बंदर। इनमें से एक बंदर का बच्चा तो इतना छोटा था कि वो सूटकेश से बाहर तक नहीं निकल रहा था। ये बंदर का बच्चा इतना छोटा था, कि वो सेब का छोटा टुकड़ा भी नहीं खा सकता था। तस्कर ने इस बड़े से बक्से में छेद कर रखा था, ताकि सभी जानवर सांस ले सके। उस बक्से में न तो खाने का कोई सामान था, न ही पीने का पानी। जिसकी वजह सो वो बक्से में हरकत कर रहे थे, और यही हरकत एक्स रे मशीन की पकड़ में आ गई। आरोपी तस्कर को पुलिस ने तस्करी और पशुओं पर क्रूरता के आरोपों में जेल भेज दिया है। उसने पूछताछ में बताया कि वो इन पशुओं को अपने मित्र को देने जा रहा था। अब अधिकारियों ने सभी पशुओं को मॉस्को चिड़ियाघर प्रशासन की सुपुर्दगी में छोड़ दिया है।

'छोटे मास्टरजी' के हैं 100 से ज्यादा स्टूडेंट

आमतौर पर स्कूल से आने के बाद हर बच्चा टीवी पर कार्टून देखता है, खेलने चला जाता है या फिर अपना होमवर्क करने में बिजी हो जाता है। लेकिन उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक ऐसा भी बच्चा है जिसकी आदतें आम बच्चों से जुदा हैं। लखनऊ का रहने वाला 11 साल का आनंद कृष्ण मिश्रा वह बच्चा है जो स्कूल के बाद खेलने या कार्टून देखने की बजाय दूसरे बच्चों को पढ़ाना पसंद करता है। आनंद एक स्कूल चलाता है, जिसमें 100 से भी ज्यादा बच्चे पढ़ने आते हैं। आनंद हर शाम अपने गांव के पास एक बाल चौपाल लगाता है और बच्चों को पढ़ाता है। आनंद के पास पढ़ने आने वाले बच्चे उन्हें छोटा मास्टर जी कहकर बुलाते हैं। बाल चौपाल की कक्षा में हर रोज किताबों से पाठ पढ़ाने के साथ-साथ बच्चों को नैतिकता का शिक्षा भी सिखाई जाती है। आनंद अपनी क्लास की शुरुआत हम होंगे कामयाब गीत के साथ करता है और क्लास के आखिर में राष्ट्रीय गान गाया जाता है। अपनी इस सेवा के लिए 7वीं कक्षा के आनंद को सत्यपथ बाल रत्न अवार्ड और सेवा रत्न अवार्ड से नवाजा जा चुका है।

एक बच्ची के लिए रोज आती है ट्रेन

हमारे देश में जब बच्चे ऑटो या बस से स्कूल जाते हैं। अगर बच्चा 5 मिनट भी लेट हो जाए तो स्कूल का ऑटो या बस उसे छोड़कर चले जाते हैं। लेकिन जापान में की यह घटना आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। जापान में एक जगह सिर्फ एक बच्ची को स्कूल ले जाने और वापस घर छोड़ने के लिए पूरी ट्रेन आती है। उस ट्रेन में उस बच्ची के अलावा ना कोई चढ़ता है और ना उतरता है। पूरी ट्रेन में वह अकेली बच्ची ही होती है। उत्तर के होकाइदो द्वीप के कामी शिराताकी गांव के स्टेशन को वहां के रेलवे विभाग ने बंद कर दिया था क्योंकि वहां ज्यादा सवारियां नहीं मिलती थी।

पुरुषों में मुहांसों के कारण

पुरूषों की त्वचा महिलाओं की अपेक्षा 20 परसेंट ज्यादा तैलीय यानी ऑयली होती है और इसमें बड़े रंध्र होते हैं जिससे इरप्शन्स होने की संभावना भी ज्यादा होती है। इसके अलावा शरीर में होने वाले हार्मोन्स परिवर्तनों के कारण मुहांसों का होना आम बात है। कई बार होर्मोन्स परिवर्तन इतना असंतुलित रूप से होता है कि अत्यधिक मुहांसों के कारण अच्छे भले चेहरे की रंगत खराब हो जाती है।

इन पेड़ों के पत्ते दवा से कम नहीं

हमारे आसपास लगे पेड़ हमें सिर्फ फल व छाया ही देने का काम नहीं करते बल्कि ये सेहत को संवारने में भी काफी फायदेमंद होते हैं। बशर्ते हमें इनके गुणों की जानकारी हो।

देसी बबूल

इसकी पत्तियों को पीसकर करीब 50 मिलिलीटर रस निकालें व इसमें स्वादानुसार मिश्री पीसकर मिलाकर पीने से पेट की जलन शांत होती है। इसकी पत्तियों को चबाकर खाने से मुंह के छाले, मसूड़ों में सूजन और मुंह से खून आने की समस्या ठीक होती है। इसकी पत्तियों को चबाकर मुंह में दो मिनट तक रखें फिर थूक दें। ऐसा दिन में दो बार करना मुंह के कैंसर से बचाव में लाभकारी माना जाता है।

अमरूद

एक या दो काली मिर्च व छोटी नमक की डली को अमरूद के पत्ते के साथ चबाकर खाने से खांसी व गले की खराश में आराम मिलता है। पांच अमरूद के पत्ते, पांच तुलसी के पत्ते, एक काली मिर्च, आधा चम्मच सोंठ व दो चुटकी नमक दो 100 मिलीलीटर पानी में कम आंच पर उबालें। 50 मिलिलीटर घोल बचने पर छान लें। इसमें दो चुटकी हल्दी मिलाकर पीने से पेट व त्वचा संबंधी बीमारियों में लाभ होता है।

नीम

टायफाइड, खसरा व चेचक के मरीजों के आसपास नीम की टहनियों को रखने से रोग के कीटाणु नष्ट होते हैं। नीम की पत्तियों को पीसकर लगाने से चेचक व खसरे के निशान, फोड़े व फुंसियां ठीक हो जाती हैं। सुबह खाली पेट नीम की कोमल पत्तियों को चबाकर खाने से मुंह की लार शुद्ध होती है। चर्म रोगों व डायबिटीज में भी लाभ होता है। नीम बीमारियों के साथ-साथ हवा को भी साफ करती है।

आम

इसकी सूखी पत्तियों को मसलकर थोड़ी देर तक मुंह में रखें और लार को इकट्ठा होने दें। थोड़ी देर बाद थूक दें। इससे छाले व गले की खराश में आराम मिलेगा। आम के पत्तों को पानी में उबालकर उसमें दो चुटकी हल्दी मिलाएं। इस पानी में पैरों को डालकर सेंकने से सर्दी के दिनों में अंगुलियों में आई सूजन में राहत मिलती है। पत्ती को तोड़ने पर जो रस आता है, उसे आंख पर निकली गुहेरी (फुंसी) पर लगाने से आराम मिलता है।

प्रेग्नेंट हैं, तो उबली मक्का खाना न भूलें

भुट्टे के दानों यानी मक्का या कॉर्न में स्वास्थ्यरक्षक पदार्थ होते हैं जो सेहत को संवारने का काम करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल

विटामिन-सी, बायोफ्लेवोनॉयड, कैराटेनॉयड और फाइबर की प्रचुरता से मक्का कोलेस्ट्रॉल कम करता है। धमनियों में रुकावट को समाप्त कर हृदय को स्वस्थ बनाता है।

कैंसर

इसमें एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनॉयड होते हैं जो कैंसर का खतरा घटाते हैं। कॉर्न में फेसलिक एसिड है जो ब्रेस्ट व लिवर के ट्यूमर के आकार को कम करता है।

त्वचा

विटामिन-ए और सी व एंटीऑक्सीडेंट होने से मक्का झुर्रियां होने से रोकता है।

आंखें

कॉर्न में बीटा कैरोटीन (विटामिन-ए) होता है जो आंख संबंधी समस्याओं को घटाता है।

एनर्जी

कार्बोहाइड्रेट की प्रचुरता के कारण यह ऊर्जा का स्रोत है।

कब्ज

इसमें फाइबर होता है जो मलाशय या कोलन में जमा गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है।

एनीमिया

आयरन का स्रोत है मक्का। उबली मक्का खाने से एनीमिया यानी रक्त की कमी दूर होती है। मक्का में विटामिन-बी और फोलिक एसिड होता है जो गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद होता है।

इन छोटे दानों से छूट जाएगी शराब

इसका स्वाद तीखा होता है। यह गर्म और पित्तनाशक होती है। यह है छोटी, लेकिन इसमें औषधीय गुण भरपूर मात्रा में होते हैं। यह है अजवायन। वायु, कफ, उदर पीड़ा, वायु गोलक, आफरा आदि में इसे लेने से लाभ पहुंचता है। प्रसव के बाद प्रसूता एवं बच्चे के लिए अजवाइन का प्रयोग रामबाण औषधि माना जाता है। अजवायन को सेंक कर कपड़े की पोटली में बांधकर सूंघने से जुकाम में शीघ्र लाभ मिलता है। अदरक के रस में अजवायन मिलाकर लेने से खांसी में आराम मिलता है। बरसात के मौसम में पाचन क्रिया शिथिल पड़ने पर अजवायन का सेवन काफी लाभदायक होता है। अजवायन को नींबू के रस में भिगो कर सेंधा नमक, काला नमक, हींग मिलाकर धूप में सुखाएं और फिर किसी साफ शीशी में भर लें। पेट दर्द, उल्टी आदि में इसको पानी के साथ लेने पर लाभ पहुंचता है। वैसे इसे हमेशा पीस कर रखें, पेट की समस्याओं में फक्की लें। यदि आपको लगता है कि आपने कुछ तला-भुना खा लिया है तो अजवाइन को धीरे-धीरे चबाएं।

अजवायन, काला नमक, सौंठ तीनों को पीसकर एक साथ भोजन के बाद फंकी लगाने से गैस आदि से मुक्ति मिल जाती है। कान में दर्द होने पर अजवायन के तेल की कुछ बूंदें कान में डालने से आराम मिलता है। कहीं शरीर पर दाने या खाज हो जाए, तो अजवायन का लेप लगाने से आराम मिलता है। जले हुए निशान पर लगाने से वह गायब हो जाता है। गठिया की समस्या है, तो अजवाइन के चूर्ण की पोटली बनाकर सेंक करने से राहत मिलती है। अजवायन का रस आधा कप में पानी मिलाकर आधा चम्मच पिसी सोंठ लेकर ऊपर से पी लें। गठिया रोग ठीक हो जाता है। गुड़ और पिसी हुई अजवायन बराबर मात्रा में मिलाकर रोज एक चम्मच खाने से गुर्दे का दर्द भी ठीक हो जाता है। अजवायन में मौजूद नियासिन और थाइमॉल हृदय संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। शराब की लत गई है, तो इससे पीछा छुड़ाने के लिए अजवायन खाएं। इससे शराब पीने की इच्छा कम होने लगती है। आधा गिलास पानी और समान मात्रा में अजवायन का रस मिलाकर पीएं। ऐसा करने से काफी फायदा मिलेगा। इसके अलावा दिन में हर दो घंटे बाद एक चुटकी अजवाइन चबाकर देखें, शराब पीने की आदत छूट जाएगी।

इस नदी में हैं हजारों शिवलिंग, जानिए किसने करवाया था निर्माण

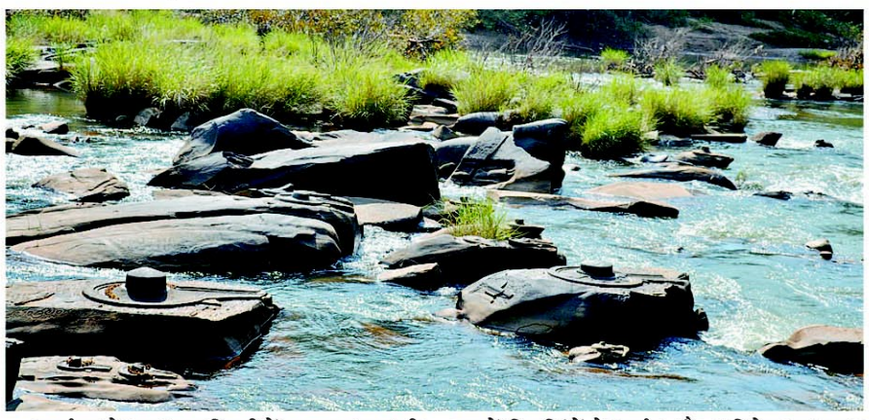

कर्नाटक के एक शहर सिरसी में शलमाला नाम की नदी बहती है। यह नदी अपने आप में खास है क्योंकि इस नदी में एक साथ हजारों शिवलिंग बने हुए हैं। ये सभी शिवलिंग नदी की चट्टानों पर बने हुए हैं। यहां की चट्टानों में शिवलिंगो के साथ-साथ नंदी, सांप आदी भगवान शिव के प्रियजनों की भी आकृतियां भी बनी हुई हैं। हजारों शिवलिंग एक साथ होने की वजह से इस स्थान का नाम सहस्त्रलिंग पड़ा।

राजा सदाशिवाराय ने करवाया था इनका निर्माण

मान्यताओं के अनुसार, 16वीं सदी में सदाशिवाराय नाम के एक राजा थे। वे भगवान शिव के बड़े भक्त थे। शिव भक्ति में डूबे रहने की वजह से वे भगवान शिव की अद्भुत रचना का निर्माण करवाना चाहते थे। इसलिए राजा सदाशिवाराय ने शलमाला नदी के बीच में भगवान शिव और उनके प्रियजनों की हजारों आकृतियां बनवा दीं। नदी के बीच में स्थित होने की वजह से सभी शिवलिंगों का अभिषेक और कोई नहीं बल्कि खुद शलमाला नदी के द्वारा किया जाता है।

शिवरात्रि व श्रावण के सोमवार को उमड़ता है भक्तों का सेलाब

वैसे तो इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए यहां पर रोज ही अनेक भक्तों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन शिवरात्रि व श्रावण के सोमवार पर यहां भक्त विशेष रूप आते हैं। यहां पर आकर भक्त एक साथ हजारों शिवलिंगों के दर्शन और अभिषेक का लाभ उठाते हैं।

कब जाएं

यहां जाने के लिए नवंबर से मार्च का समय सबसे अच्छा माना जाता है।

कैसे पहुंचे

हवाई मार्ग- सिरसी से सबसे पास लगभग 104 कि.मी. की दूरी पर हुबली ऐयरपोर्ट है। वहां तक हवाई मार्ग से आकर सड़क मार्ग से सिरसी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग- सिरसी से सबसे पास लगभग 54 कि.मी की दूरी पर तलगुप्पा नामक शहर है। वहां तक रेल के द्वारा आकर सड़क मार्ग से सिरसी पहुंचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- सिरसी पहुंचने के लिए सड़क मार्ग का भी प्रयोग किया जा सकता है।

रेसिपी

पुरन पोली

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, 2 टेबल-स्पून तेल
1 कप तुवर दाल, थोड़ा केसर
2 टेबल-स्पून घी, 1 कप शक्कर
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
1/4 टी-स्पून जायफल पाउडर, एक चुटकी
जावित्री पाउडर, गेहूं का आटा, घी लगाने के लिए

विधि

आटे और तेल को एक बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 15 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए:** दाल को 11/2 कप पानी के साथ मिलाकर, 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। बचा हुआ पानी फेंककर, चम्मच के पिछले भाग से दाल को हल्का मसल लें। केसर को थोड़े पानी में घोलकर, 15-20 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में घी गरम करें, दाल और शक्कर डालकर, मध्यम आंच पर 20 मिनट या मिश्रण के गाढ़ा होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। इलायची पाउडर, जायफल पाउडर, जावित्री पाउडर और केसर का घोल डालकर अच्छी तरह मिला लें। हल्का ठंडा कर, मिश्रण को 15 भाग में बांट लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधि:** आटे के एक भाग को 75 मिमी (3) व्यास के गोल आकार में बेल लें। भरवां मिश्रण के एक भाग को गोले के बीच रखकर किनारों को बीच लाकर दबा लें। किनारों को दबाकर अच्छी तरह दबा लें। गोले को दबाकर, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, दुबारा 100 मिमी (4) व्यास के गोल आकार में बेल लें। गरम तवे पर डालकर, मध्यम आंच पर उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक पका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 14 और पुरन पोली बना लें। प्रत्येक पुरन पोली पर थोड़ा घी डालकर गरमा गरम परोसें।

मटर और पुदिने की टिक्की

सामग्री

1 कप उबले हुए हरे मटर, 1/2 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ पुदिना, नमक सवादअनुसार, 1 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, 2 हरी मिर्च, कटी हुई, तेल, तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर दरदरा मिश्रण बना लें (जरुरत हो तो थोड़े पानी का प्रयोग करें)। मिश्रण को 8 से 10 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग की गोल टिक्की बना लें। मध्यम आंच पर कढ़ाई में तेल गरम करें और टिक्की को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**